@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 3 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 203 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार में न्याय नहीं, शोषण का राज: मुकेश सहनी

मुजफ्फरपुर, 2 जून। मोतिहारी से पटना लौटने के दौरान वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कुढ़नी प्रखंड में एक सप्ताह के भीतर दो दुष्कर्म की घटनाओं और एक पीड़िता की मौत पर तेज प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अब यह सिर्फ कुढ़नी का मामला नहीं है, बल्कि पूरे बिहार में दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के साथ अन्याय हो रहा है। सहनी ने कहा कि इससे पहले समस्तीपुर में निषाद समाज की एक बेटी के साथ भी दुष्कर्म हुआ, लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने आरोप

लगाया कि बिहार सरकार कानून व्यवस्था पर पूरी तरह विफल हो चुकी है। मुकेश सहनी ने कहा, मुजफ्फरपुर की दलित बच्ची के साथ हुई घटना बेहद शर्मनाक है। बच्ची की मौत सरकारी लापरवाही का नतीजा है। हम पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। उन्होंने बिहार के सरकारी अस्पतालों की स्थिति पर भी सवाल उठाए। सहनी ने कहा, पीएमसीएच से लेकर प्रदेश के अधिकतर सरकारी अस्पताल अब दलालों का अड्डा बन चुके हैं। डॉक्टर से लेकर स्टाफ तक सभी कमीशनबाजी में लगे हैं और हर मरीज पर कमीशन तय किया गया है। मुकेश सहनी ने साफ कहा कि अपराधी और बलात्कारी का कोई जात या धर्म नहीं होता, ऐसे लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वीआईपी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ है और उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए हर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में दलितों और अति पिछड़ों को न्याय मिलने में बहुत देर होती है, और यह बात सबको पता है। वीआईपी पार्टी इन वर्गों के हक के लिए लड़ाई लड़ रही है और आने वाले समय में और मजबूती से लड़ेगी।

डबल इंजन की भाजपा सरकार ने असम को धोखा दिया: खरगे

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 2 जून। भारत के उत्तर पूर्वी राज्य इन दिनों बाढ़ और भारी बारिश से जूझ रहे हैं। इसके चलते उत्तर पूर्वी राज्यों में 40 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने कहा कि उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ और भारी तबाही को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी पीएम केयर फंड के दरवाजे खोलेंगे। खरगे ने दावा किया कि पीएम केयर फंड में करोड़ों रुपये बिना ऑडिट के रखे हुए हैं। खरगे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने साल 2016 में असम को बाढ़ मुक्त प्रदेश बनाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने असम को धोखा दिया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खरगे ने लिखा कि उत्तर पूर्वी राज्य भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं। बाढ़ और भूस्खलन के चलते लाखों लोगों प्रभावित हुए हैं। खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद करने की अपील की। खरगे ने लिखा कि %साल 2016 में भाजपा ने बाढ़ मुक्त असम बनाने का वादा किया था। 2022 में अमित शाह ने भी इस वादे को दोहराया। अब कथित स्मार्ट शहर गुवाहाटी की तस्वीरे देखकर लगता है कि मोदी जी और उनकी डबल इंजन की सरकार ने असम के साथ धोखा किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि %मोदी सरकार को सभी उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए फंड जारी करना चाहिए और खासकर असम के लिए ताकि बाढ़ के हालात से निपटा जा सके। मोदी जी पीएम केयर फंड से भी फंड आवंटित कर सकते हैं,

जिसमें बिना ऑडिट के करोड़ों रुपये पड़े हैं। असम में बाढ़ से 10 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे चार लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। निचले इलाकों और नदियों के तटीय इलाकों में हालात ज्यादा खराब हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %असम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश से हुई मौतों का समाचार अत्यंत दुखद है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। ईश्वर सभी की रक्षा करें। केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ उठानी पड़े। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करती हूं कि प्रभावित लोगों की यथासंभव मदद करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर पूर्वी राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से फोन पर बात की है। उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि मोदी सरकार उत्तर पूर्व के लोगों के साथ इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के साथ खड़ी है। मौसम विभाग ने उत्तर पूर्वी राज्यों में 5 जून तक बारिश का अनुमान जारी किया है। कुछ इलाकों में इस दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इंदिरा गांधी ने भारतीय फौज को हरिमंदिर साहिब पर हमला करने के आदेश दिए थे जबकि हज़ारों सिख गुरुद्वारे के अंदर थे

कौमी पत्रिका
गुरचरन सिंह बब्बर

नई दिल्ली। जून 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने भारतीय सेना को आदेश दिया कि वह सिख धर्म के सबसे पवित्र स्थल — श्री हरिमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर), अमृतसर में प्रवेश करे। यह सैन्य कार्रवाई बिना किसी चेतावनी के की

> **जैसे-जैसे जून का महीना पास आ रहा है, वैसे-वैसे सिख समुदाय और पूरे देश में एक दर्दनाक स्मृति फिर से ताज़ा हो रही है-ऑपरेशन ब्लू स्टार की।**

गई, जिसमें सैकड़ों नहीं, बल्कि हज़ारों निर्दोष श्रद्धालुओं को मार दिया गया 7 जिनमें बुज़ुर्ग, महिलाएं, छोटे बच्चे और आम श्रद्धालु शामिल थे। उस समय गुरुपुरब का पर्व चल रहा था, और भीषण गर्मी के बावजूद गुरुद्वारे के अंदर हज़ारों लोग श्रद्धा भाव से मत्था टेक रहे थे। बिना किसी संवाद या

बातचीत के, टैंकों और तोपों से लैस सेना भेजी गई और बंदूकें बातों की जगह ले गईं। सिख धर्म की आत्मिक और राजनीतिक गरिमा का प्रतीक श्री अकाल तख्त साहिब भी भारी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इतिहासकारों और साक्ष्यों के अनुसार, यह केवल एक सुरक्षा अभियान नहीं था। बल्कि यह एक पूर्व नियोजित, सुनियोजित राजनीतिक रणनीति थी, जिसका उद्देश्य श्रीमती इंदिरा गांधी की राजनीतिक पकड़ मजबूत करना और उन्हें एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए रास्ता साफ करना था। अगर उद्देश्य कुछ लोगों की गिरफ्तारी मात्र था, तो उसे बातचीत, खुफिया कार्रवाई या अन्य संवैधानिक तरीकों से हल किया जा सकता था। लेकिन एक संपूर्ण धार्मिक परिसर को युद्ध भूमि बना देना । यह अनैतिक, असंवैधानिक और अमानवीय था। शांति, एकता और श्रद्धा का प्रतीक श्री हरिमंदिर साहिब उस दिन खून से लथपथ हो गया। आज तक कई शवों का कोई अता-पता नहीं है। कई चश्मदीद गवाहों का कहना है कि मृतकों के शव गुप्त रूप से फेंक दिए गए, कई लोग गायब हो गए, और कई गोपनीय जेलों में बंद कर दिए गए। सिख समुदाय आज तक इस पीड़ा से उबर नहीं पाया है। घाव अब भी ताज़ा हैं, सवाल अब भी अनुत्तरित हैं, और न्याय अब भी अधूरा है। न्याय, सत्य और राष्ट्रीय मेल-जोल की भावना से, हम द सिख टाइम्स के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्र सरकार से यह विनम्र अपील करते हैं कि एक उच्च स्तरीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया जाए, जो सीमित समय में निष्पक्ष जांच करे।

प्रथम पृष्ठ का शेष 3 पर

कोलकाता से मेजबानी छीनकर गुजरात को देने पर भड़की पश्चिम बंगाल सरकार

कौमी पत्रिका
नसीरउद्दीन

कोलकाता, 2 जून। पश्चिम बंगाल सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ और फाइनल मुकाबलों को कोलकाता के ईडन गार्डन्स से हटाकर गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित करने के फैसले पर नाराजगी जताई है। बीसीसीआई के इस फैसले पर पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस फैसले के पीछे की राजनीतिक मंशा को लेकर बात कर चुका हूं। अब जो घटनाएं सामने आई हैं, उससे यह और साफ हो गया है। बता दें कि

बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने कोलकाता में संभावित बारिश के पूर्वानुमान के आधार पर मैच शिफ्ट करने की बात कही थी। लेकिन बिस्वास ने दावा किया कि यह फैसला केवल मौसम पर आधारित नहीं था, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक उद्देश्य थे। मामले में राज्य खेल मंत्री बिस्वास ने आगे कहा कि जिन सैटेलाइट डेटा के आधार पर कोलकाता में बारिश का पूर्वानुमान दिया गया, वही सैटेलाइट अहमदाबाद में संभावित बारिश को क्यों नहीं देख पाया? यह साफ करता है कि यह फैसला मौसम नहीं, बल्कि राजनीति के आधार पर लिया गया। उन्होंने कहा कि इससे कोलकाता के क्रिकेट प्रेमियों को एक बड़े खेल आयोजन से वंचित कर दिया गया है, और बंगाल को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

सुप्रीम कोर्ट से बाटला हाउस के संपत्ति मालिकों को राहत नहीं

नई दिल्ली, 2 जून। सुप्रीम कोर्ट ने जामिया नगर के बटला हाउस में संपत्ति मालिकों को जारी किए गए ध्वस्तीकरण नोटिस में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ताओं से उचित अधिकारियों से संपर्क करने को कहा। बटला हाउस में संपत्ति के मालिक 40 निवासियों ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है कि जुलाई में कोर्ट खुलने के बाद एक नियमित पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। जो परिवार प्रभावित होने वाले थे, उन्हें पीएम-उदय के तहत आवेदन दाखिल करने के लिए कहा गया है। आगे कहा कि यह बस्ती पिछले 40 सालों से है और अब अनधिकृत रूप से नियमित कर दी गई है।

सीएम सुखू ने वन मित्रों के माध्यम से वन संरक्षण में लोगों की भागीदारी का आह्वान किया

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज हमीरपुर से 'राजीव गांधी वन संवर्धन योजना' का शुभारंभ किया। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण और वन प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य न केवल बंजर और क्षीण वन क्षेत्रों में फलदार वृक्ष लगाकर हरित आवरण को बढ़ाना है, बल्कि स्वयं सहायता समूहों के अलावा महिला और युवक मंडलों की भागीदारी सुनिश्चित करके स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय का सृजन भी करना है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में नादौन के दो महिला मंडलों, अमलेहड़ और भावदन को प्रमाण पत्र सौंपे, जो दो हेक्टेयर वन भूमि पर पौधरोपण गतिविधियां चलाएंगे और पांच वर्षों की अवधि तक इसका रखरखाव सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने %ग्रीन एडॉप्शन स्कीम% का भी शुभारंभ किया। शुरुआती चरण में अंबुजा कंपनी 25 हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण का काम करेगी, जबकि अडानी फाउंडेशन और अल्ट्राटेक 10-10

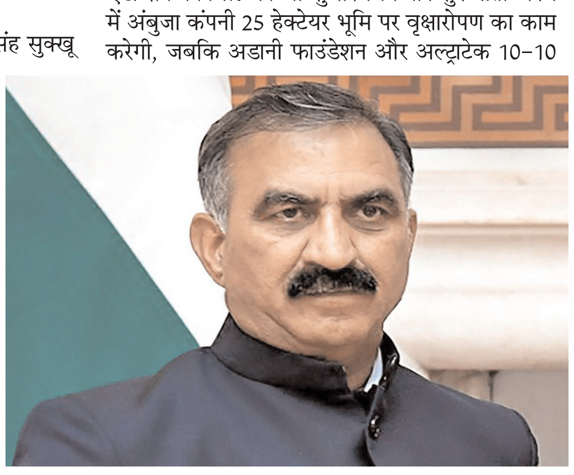

हेक्टेयर भूमि को गोद लेंगे। उन्होंने आधिकारिक मान्यता के तौर पर इन संगठनों को प्रमाण पत्र सौंपे। इस योजना में निजी उद्यमों, कॉरपोरेट घरानों और गैर-सरकारी संगठनों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत बंजर वन भूमि को गोद लेने और वनीकरण कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की परिकल्पना की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देती है, बल्कि कंपनियों को अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करने का अवसर भी प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त वन मित्रों की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया और उनसे बातचीत की। उन्होंने कहा कि वन विभाग फील्ड स्टाफ की कमी से जूझ रहा था, जिससे वन संरक्षण के लिए चुनौतियां पैदा हो रही थीं। इस समस्या से निपटने के लिए योग्यता के आधार पर वन मित्रों की नियुक्तियां की गई हैं, जिसमें कई युवतियों ने इन पदों को हासिल करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भविष्य की नीतियां बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो उनके करियर की रक्षा करेगी और उन्हें वनों के सच्चे संरक्षक के रूप में मान्यता देगी।

चांदनी चौक में दिनदहाड़े व्यवसायी से 35 लाख की लूट

नई दिल्ली, 2 जून। दिल्ली में चांदनी चौक जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर सोमवार को दिनदहाड़े 35 लाख रुपये की लूट हो गई। दो हथियारबंद लोग कपड़ा व्यवसायी के कार्यालय में आए और गोली चलाकर 35 लाख रुपये लूट लिए। लुटेरों के साथ एक तीसरा शख्स भी साथ था जो नीचे खड़ा हुआ था। पुलिस के मुताबिक, आज करीब 14.30 बजे कटरा नील, चांदनी चौक में लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल थाना लाहौरी गेट में प्राप्त हुई। जिसमें बताया गया कि कपड़ा व्यवसायी विक्की जैन के कार्यालय से तीन लोग लुटेरे 35 लाख रुपये लूट के भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि विक्की जैन के कार्यालय का कांच का दरवाजा टूटा हुआ था। विक्की जैन ने पुलिस को बताया कि दोपहर करीब 2 बजे दो व्यक्ति उसके कार्यालय में आए और उनके कार्यालय के कांच के दरवाजे पर गोली चलाकर करीब 35 लाख लूट लिए और अपने तीसरे साथी के साथ भाग गए, जो सीढ़ियों से नीचे खड़ा था। इस मामले को सुलझाने के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

आतंकवाद के खिलाफ जंग में दोनों देश एक साथ खड़े: पीएम मोदी

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 2 जून। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस इन दिनों भारत यात्रा पर हैं। यहां पीएम मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पराग्वे को दक्षिण अमेरिका में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारा भूगोल भले ही अलग हो, लेकिन हमारे लोकतांत्रिक आदर्श और जनकल्याण की एक ही सोच है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति सैंटियागो व उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया। बता दें कि पराग्वे के राष्ट्रपति तीन दिन की भारत यात्रा पर आज सुबह राजधानी दिल्ली पहुंचे थे। यह उनकी पहली भारत यात्रा है वहीं, दक्षिण अमेरिकी देश के किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने पराग्वे के राष्ट्रपति से कहा कि आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। मुझे खुशी है कि आपके साथ वरिष्ठ मंत्रियों का प्रतिनिधिमंडल यहां आया है। पीएम मोदी ने कहा कि आप सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं। इससे आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने की आपकी प्रतिबद्धता बिल्कुल स्पष्ट है। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाड़ लड़ाई में भारत और पैराग्वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से ल ?ने के

लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार, और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही, भारत और लैटिन अमेरिका संबंधों में भी नए आयाम जुड़ेंगे। पीएम मोदी ने कहा, भारत और पैराग्वे वैश्विक दक्षिण के अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाओं, आकांक्षाओं और चुनौतियों में समानता है। इसीलिए हम एक दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए, इन चुनौतियों से कारगर तरीके से निपट सकते हैं। हमें संतोष है कि कोरोना महामारी के समय हम भारत में बनी वैक्सीन, पैराग्वे के लोगों के साथ साझा कर सके। ऐसी और भी क्षमताएं हम एक दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने पिछले वर्ष गयाना में कैरीकॉम समिट में भाग लिया। हमने कई विषयों पर सहयोग ब ?ाने पर बात की। मैं समझता हूं कि उन सब क्षेत्रों में हम पैराग्वे और सभी लैटिन अमेरिकी देशों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इससे पहले, भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने सोमवार को राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, शांति और अहिंसा के मूल्यों का सम्मान करते हुए। पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत पहुंचने पर पालम एयर फोर्स स्टेशन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से कोविड-19 तैयारियों पर तत्काल जानकारी मांगी

नई दिल्ली, 2 जून। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में केंद्र सरकार से कोविड-19 महामारी से निपटने की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया ने कहा कि कोविड-19 अभी भी सक्रिय है

और इसे गंभीरता से लेना जरूरी है। अदालत ने 30 मई 2023 की बैठक के बाद उठाए गए कदमों की कमी को गंभीर मुद्दा बताया। अदालत डॉ. रोहित जैन की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 27 जनवरी 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश का पालन न करने का आरोप लगाया गया। इस आदेश में केंद्र को नमूना संग्रह, केंद्रों और परिवहन नीति के लिए न्यूनतम मानक स्थापित करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता का दावा है कि केंद्र ने इन दिशानिर्देशों को तैयार नहीं किया। पीठ ने जैन की याचिका का निपटारा करते हुए केंद्र को इसे एक अभिवेदन के रूप में लेने और 12 सप्ताह में तर्कसंगत आदेश पारित करने का निर्देश दिया। अदालत ने केंद्र की स्थायी वकील मोनिका अरोड़ा को यह सुनिश्चित करने को कहा कि संबंधित अधिकारी निर्देशों से अवगत हों और छह सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट पेश करें। 30 मई, 2023 को स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त महानिदेशक की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें याचिकाकर्ता को भी आमंत्रित किया गया था। बैठक में पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी विशेषज्ञों की चार उप-समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। इन समितियों को नमूना संग्रह, केंद्रों और परिवहन नीति के लिए मानक प्रक्रियाएं और भंडारण दिशानिर्देश तैयार करने थे। अदालत ने पाया कि केंद्र ने बैठक के निर्णयों और उप-समितियों की प्रगति पर कोई अपडेट नहीं दिया। हालांकि, प्रथम दृष्टया उप-समितियों के गठन के निर्णय के आधार पर अवमानना याचिका कायम न रहने की बात कही गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई 2025 के लिए निर्धारित की है और केंद्र से तत्काल मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को लागू करने और स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा की है।

नॉर्थ कैरोलिना के हिकरी शहर में गोलीबारी, एक की मौत, 11 घायल

हिकरी (नॉर्थ कैरोलिना)। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के हिकरी शहर में एक घर में चल रही पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। इनमें से एक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। कटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह वारदात उस समय घटी जब दर्जनों लोग एक निजी निवास पर पार्टी मना रहे थे। सूचना के बाद पुलिस को मौके पहुंची और घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां 10 लोगों की हालत गंभीर और एक की अवस्था नाजुक में बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए नॉर्थ कैरोलिना स्टेट ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन, हिकरी पुलिस विभाग और एफबीआई संयुक्त रूप से जांच में जुटे हैं। अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि कुल कितनी गोलियां चलाई गईं। शेरिफ कार्यालय के मेजर एरन टर्क ने बताया कि जिस गली में यह गोलीबारी हुई, वह इलाका आमतौर पर शांत और सुरक्षित माना जाता है। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है, जिनमें पार्टी में शामिल लोगों की भूमिका और कोई पुरानी रंजिश शामिल हो सकती है।

लीबियाई अधिकारियों ने रेगिस्तान में 50 प्रवासियों को किया गिरफ्तार

त्रिपोली। लीबिया की राजधानी त्रिपोली से लगभग 230 किलोमीटर दक्षिण में नसमाह गांव के पास रेगिस्तान में विभिन्न अफ्रीकी देशों के 50 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लीबिया के गृह मंत्रालय ने फेसबुक पर प्रकाशित एक बयान में कहा 'नसमाह के पास बीहड़ घाटी क्षेत्रों में बीडर गार्ड के गश्ती दल तैनात किए गए थे, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा योजना को क्रियान्वित करना और बीहड़ रेगिस्तानी मार्गों से अवैध प्रवासियों के प्रवाह को नियंत्रित करना था। बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार किए गये 50 प्रवासियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए एक रिसेप्शन सेंटर को सौंपने से पहले मानवीय और प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में लंबे समय तक शासक रहे मुअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद असुरक्षा और अराजकता के कारण, लीबिया भूमध्य सागर को पार करके यूरोपीय तटों की ओर जाने वाले प्रवासियों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवास संगठन के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक 9,285 प्रवासियों को रोका गया है और उन्हें लीबिया वापस भेजा गया है, जबकि 160 प्रवासियों की मौत हो गई और 234 अन्य मध्य भूमध्यसागरीय मार्ग पर लापता हो गए।

नवरोकी पोलैंड के राष्ट्रपति चुने गये, मतगणना पूरी: चुनाव आयोग

वारसॉ। पोलैंड की विपक्षी लॉ एंड जस्टिस पार्टी के उम्मीदवार करोल नवरोकी राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गये हैं। श्री नवरोकी को 50.89 प्रतिशत मत मिले। चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार शत-प्रतिशत मतों की गणना के बाद विपक्षी उम्मीदवार करोल नावरोकी पोलैंड के राष्ट्रपति चुने गए हैं। श्री नवरोकी को 50.89 प्रतिशत मत मिले। चुनाव आयोग ने श्री नवरोकी के नाम के आगे लिखा, 'उन्हें दूसरे चरण के मतदान में चुना गया।' सत्तारूढ़ सिविक गठबंधन के उम्मीदवार रफाल ट्रज़ाकोव्स्की को 49.11 प्रतिशत मत मिले।

इजरायल ने यमन की ओर से दागी गयी मिसाइल को रोका

यरूशलम। इजरायल ने यमन की ओर से दागी गयी मिसाइल को आसमान में ही सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इजरायल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा कि आईडीएफ ने यमन की ओर से दागी गयी मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया। इजराइल के चैनल 12 न्यूज ने बताया कि यमन की ओर से दागी गयी मिसाइल का लक्ष्य तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा था, साथ ही कहा कि हवाई अड्डा अस्थायी रूप से उड़ान भरने और उतरने के लिए बंद कर दिया गया था। गौरतलब है कि 18 मार्च से यमन से इजराइल पर 49 मिसाइलें दागी गई हैं।इस बीच, इजराइल की मैगन डेविड एडोम आपातकालीन सेवा ने एक बयान में कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि मिसाइल दागने पर तेल अवीव और पश्चिमी यरूशलम सहित मध्य इजराइल के बड़े क्षेत्रों में सायरन बजने लगे थे। यमन ने मिसाइल ऐसे समय में दाग है जब हूती बलों ने अमेरिकी जहाजों पर हमले रोकने का वादा किया है, लेकिन गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का हवाला देते हुए इजरायल पर मिसाइलें दागना जारी रखा है, जहां अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इजरायली हमले में 54,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

यूक्रेन बॉर्डर के पास पुल ढहने के बाद पटरी से उतरी ट्रेन, 7 लोगों की मौत

एजेंसी
मास्को। रूस के ब्रायंस्क में रेलवे पुल ढहने की वजह से एक ट्रेन पटरी से डिरेल हो गई। इस हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई, जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। ब्रायंस्क क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगा हुआ है। अधिकारियों ने हुई इस घटना के पीछे अवैध हस्तक्षेप को कारण बताया है। ब्रायंस्क रीजन के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने जानकारी दी है कि हॉस्पिटल में भर्ती लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। रूसी राज्य समाचार एजेंसियों ने मेडिकल सोर्स का हवाला देते हुए बताया कि मरने वालों में लोकोमोटिव ड्राइवर भी है। मिनिस्ट्री ऑफ इमरजेंसी सिचुएशन ने टेलीग्राम पर बताया कि घटनास्थल पर लगभग 180 कर्मियों को तैनात

किया गया था, जिनका फोकस घायल का पता लगाने और उसे बचाने पर था। रूस के बाजा टेलीग्राम चैनल की रिपोर्ट, जो अक्सर कानून प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं से प्राप्त जानकारी साझा करता है, के मुताबिक प्रारंभिक निष्कर्षों से पुल को उड़ाने का संकेत मिलता है। हालांकि, चैनल ने दावे का समर्थन करने के लिए सबूत नहीं दिए। युद्ध की शुरुआत के बाद से ब्रायंस्क क्षेत्र पड़ोसी कुर्स्क और बेलगोरोड क्षेत्र के साथ बार-बार सीमा पार से गोलाबारी, ड्रोन हमलों और यूक्रेनी क्षेत्र से गुप्त घुसपैठ का सामना कर रहा है। गवर्नर बोगोमाज ने कहा कि ट्रेन क्लिमोवो से मॉस्को जा रही थी। इस बीच वह ब्रायंस्क क्षेत्र के वायगोनिचस्की जिले में एक संघीय राजमार्ग के पास ढह गए पुल से टकरा गई।

यह जिला यूक्रेनी सीमा से लगभग 100 किलोमीटर (62 मील) दूर स्थित है। वहीं, रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मास्को और कीव से युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहयोग करने का आह्वान किया है। इस बीच रूस ने यूक्रेनी अधिकारियों के साथ सीधी बातचीत के दूसरे दौर का प्रस्ताव रखा है, जो अगले सप्ताह इस्तांबुल में होने वाला है।

अपने गिरफ्तार नेता से मिलने गए सांसद को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया

एजेंसी
काठमांडू। राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार पार्टी के शीर्ष नेता से मिलने गए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद दीपक सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने पार्टी के केंद्रीय समिति की आकस्मिक बैठक बुलाई है। इसमें कल से प्रदर्शन की रणनीति को लेकर चर्चा होने वाली है। राजतंत्र की पुनर्बहाली को लेकर पिछले चार दिनों से चल रहे प्रदर्शन के आज चौथे दिन पुलिस ने पहले लाठी चार्ज किया और उसके बाद आरपीपी के शीर्ष नेता कमल थापा को घसीटते हुए गिरफ्तार कर लिया। अपनी पार्टी के नेता से गिरफ्तारी के बाद मिलने थाना पहुंचे आरपीपी के सांसद दीपक बहादुर सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सांसद सिंह ने कहा कि वो काठमांडू जिला के पुलिस थाना में अपने नेता कमल

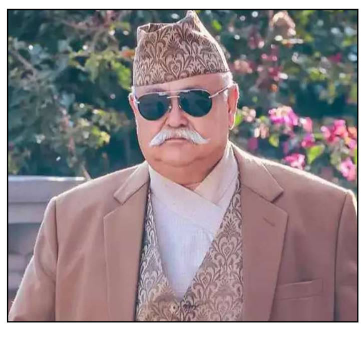

थापा से मिलने पहुंचे, तभी उन्हें भी हिरासत में ले लिया गया है। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसएसपी अपील राज बोहरा ने बताया कि निषेधाज्ञा तोड़ कर प्रधानमंत्री निवास की तरफ बढ़ने का प्रयास किया, जिसके आरोप में उन्हें हिरासत में लिया गया है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन अली मदनीजादेह को वित्त मंत्री बनाने का करेंगे प्रस्ताव

एजेंसी
तेहरान। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन आर्थिक मामलों और वित्त विभाग के मंत्री के पद के लिए अर्थशास्त्र के प्रोफेसर अली मदनीजादेह के नाम का संसद के समक्ष प्रस्ताव करने की तैयारी में हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही गई है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने बताया कि अगर मदनीजादेह को मजलिस से विश्वास मत हासिल करने में सफलता मिलती है, तो वे अब्दोलनासर हेममती की जगह लेंगे, जिन पर 2 मार्च को महाभियोग लगाया गया था। महाभियोग मतदान के दौरान मौजूद मजलिस के लगभग दो-तिहाई सदस्यों ने उन्हें हटाने के प्रस्ताव

का समर्थन किया। प्रतिबंध-प्रभावित देश में छह महीने पहले ही उन्होंने पदभार संभाला था। उनके हटाए जाने के बाद, रहमतुल्लाह अक्रमी कार्यवाहक अर्थव्यवस्था मंत्री थे, लेकिन राष्ट्रपति पेजेशकियन ने उन्हें इस प्रमुख पद के लिए प्रस्तावित नहीं किया है। मदनीजादेह शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

सेंट्रल बैंक के पूर्व गवर्नर हेममती पर रूढ़िवादी-बहुमत वाली मजलिस के एक बड़े हिस्से ने देश की भयावह मुद्रास्फीति की स्थिति और ईरानी रियाल के मूल्य में तेजी से गिरावट को काबू करने में विफलता का आरोप लगाया था। अपने स्कूली वर्षों के दौरान, उन्होंने ईरानी गणित ओलंपियाड में स्वर्ण पदक और अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में कांस्य पदक जीता। ईरानी मीडिया के अनुसार, उन्होंने शरीफ, स्टैनफोर्ड और शिकागो विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है।

नेपाल के पूर्व राजपरिवार को राजदरबार में प्रवेश की अनुमति नहीं

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल सरकार ने देश के पूर्व राजपरिवार को राजदरबार में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी है। पूर्व राजपरिवार की तरफ से राजदरबार में दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिस पर सरकार ने रोक लगा दी है। नेपाल में राजपरिवार के हत्याकांड की बरसी पर राजदरबार के सदस्यों द्वारा सोमवार को दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसके लिए पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह ट्रस्ट की तरफ से सभी को इसमें सहभागी होने की अपील की गई थी। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी लेकिन रविवार शाम अचानक नेपाल सरकार की तरफ से पूर्व राजपरिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम पर रोक लगा दी गई है। नेपाल ट्रस्ट के अधीन रहे राजदरबार में किसी भी तरह के कार्यक्रम की अनुमति किसी को नहीं है- इस तरह की सूचना जारी कर राजपरिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम को रोका गया है। ट्रस्ट की तरफ से

जारी बयान में कहा गया है कि राजदरबार के आसपास के क्षेत्र में जिला प्रशासन द्वारा निषेधाज्ञा जारी किया गया है इसलिए राजदरबार में किसी भी तरह के कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जा रही है। 1 जून 2001 की शाम को नारायणहिटी राजदरबार के भीतर ही नेपाल के तत्कालीन राजा वीरेंद्र सहित उनके परिवार के सभी सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह की तरफ से दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सरकार द्वारा इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह की तरफ से यह जानकारी दी गई है कि यह कार्यक्रम अब राजदरबार में न होकर कहीं और किया जाएगा।

राजतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, पूर्व उपप्रधानमंत्री थापा सहित कई गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन के चौथे दिन पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कुछ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। राजतंत्र समर्थकों ने कल से आंदोलन को और अधिक तेज आंदोलन करने की घोषणा की है।

देश में राजतंत्र की वापसी और हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग लेकर 29 मई से जारी आंदोलन में आज उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे। निषेधित क्षेत्र होने के कारण वहां भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। साथ ही सुरक्षा घेरा मजबूत करने के लिए तीन लेयर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस का

सुरक्षा घेरा तोड़ कर निषेधित प्रधानमंत्री आवास की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मियों ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज किया और कुछ बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपील बोहरा ने कहा है कि निषेधित क्षेत्र तोड़ने के आरोप में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेता तथा पूर्व उपप्रधानमंत्री कमल थापा सहित पांच प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस ने पूर्व उपप्रधानमंत्री को सड़क पर घसीटते हुए ले गए और उन्हें पुलिस की गाड़ी में बिठाया गया। इस दौरान कमल थापा ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस गिरफ्तारी के बाद राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कल से काठमांडू में और अधिक तेज प्रदर्शन की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि यदि गिरफ्तार नेताओं की तत्काल रिहाई नहीं की जाती है तो कल से काठमांडू में चक्का जाम किया जाएगा।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी ने बहाली के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया

एजेंसी
ढाका। पाकिस्तान के प्रमुख राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी ने आज पार्टी के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह की बहाली के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन के ताजा आदेश की प्रति भी सौंपी। प्रतिनिधिमंडल और आयोग के अधिकारियों के बीच बैठक अगरगांव स्थित आयोग भवन के सम्मेलन कक्ष में दोपहर 12:15 बजे हुई। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन भी मौजूद रहे। बांग्लादेश ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार जमात के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सहायक महासचिव हमीदुर रहमान आजाद ने किया। अन्य सदस्यों में पार्टी नेता एडवोकेट अहसानुल महबूब जुबैर, एडवोकेट जसीम उद्दीन सरकार, एडवोकेट मतिउर रहमान अकांदा, मुबारक हुसैन और एडवोकेट मोहम्मद शिशिर मोनिर मौजूद रहे। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन ने 2013 के हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें जमात के पंजीकरण को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया गया था।

'पाकिस्तान भीख के पैसे से फैलाता है आतंकवाद, भारत को कुचलना आता है'

एजेंसी
लंदन। भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पूर्व केंद्रीयमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में यहां पाकिस्तान के चेहरे को बेनकाब किया। लंदन के इंडिया हाउस में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात में भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा कि पाकिस्तान एक तरफ भीख मांगता है और दूसरी तरफ आतंकवाद फैलाता है। भारत आतंकवाद को कुचलना जानता है और इसके लिए किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में हमारे साथी यह संदेश दे रहे हैं। आप (भारतीय प्रवासी) लोग हमारे राजदूत हैं। हम लड़ाई करेंगे। भारतीय सेना वहां लड़ेगी। हमें कूटनीतिक लड़ाई लड़नी है। सोशल मीडिया की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर में लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ने से पाकिस्तान परेशान है। इसीलिए उसने पहलगाम में आतंकी हमला कराया। भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर से जवाब दिया तो दुनिया में पाखंड फैला रहा है। इस प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ सदस्य पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ पत्रकार एमजे अकबर ने कहा कि अहिंसा के पुजारी गांधी जी ने कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ अहिंसा नहीं उसका मजबूती से मुकाबला होना चाहिए। भारत आज बापू के बताए रास्ते पर चल रहा है। आज भारत का संदेश स्पष्ट है कि वह कभी पीछे नहीं हटेगा। भाजपा सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने कहा कि भारत जिम्मेदार राष्ट्र है। उसने कभी किसी दूसरे देश के खिलाफ हथियार नहीं उठाए हैं। पुरंदेश्वरी ने कहा कि पहलगाम में एक महिला ने आतंकवादी से विनती की कि तुमने मेरे पति को मार दिया है, अब मुझे भी मार दो, तो जवाब मिला - 'हम तुम्हें नहीं मारेंगे, जाओ मोदी को बताओ'। उन्होंने कहा कि इसके बाद दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान में क्या हुआ। इस अवसर पर भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि उसका निर्माण इसलिए हुआ क्योंकि भारत ने गृहयुद्ध नहीं बल्कि शांति का रास्ता चुना। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 9/11 हमले का मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में छिपा हुआ था। भारत का एक प्रतिनिधिमंडल मोनरोविया (लाइबेरिया) पहुंचा है। यहां भाजपा नेता एसएस अहलूवालिया ने कहा कि पाकिस्तान सोचता है कि इस्लामी दुनिया उनके साथ खड़ी होगी। हमने यूएई से कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने के लिए कुरान और धर्म का इस्तेमाल करता है। उसका कुछ उपाय कीजिए।

कनाडा में जंगल में भीषण आग: तीन प्रांतों से हजारों लोगों का पलायन, अमेरिका तक पहुंचा धुएं का असर

एजेंसी
फ्लिन फ्लोन (मैनिटोबा)। कनाडा के तीन प्रांतों मैनिटोबा, सस्केचेवान और अल्बर्टा में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण अब तक 25,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। साथ ही इस आपदा का असर अब अमेरिका के सीमावर्ती इलाकों तक पहुंचने लगा है, जहां वायु गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर स्तर तक गिर गई है।जंगल में लगी आग की वजह से मैनिटोबा सरकार ने पहले ही आपातकाल की घोषणा कर दी है। अकेले यहां से 17,000 लोग निकाले जा चुके हैं। फ्लिन फ्लोन क्षेत्र में 5,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जबकि क्रैनबेरी पोर्टेज में आग ने बिजली आपूर्ति बाधित कर दी है, जिससे लगभग 600 लोगों को अनिवार्य रूप से निकाला गया। सबसे पहले आग सस्केचेवान के क्रेटन क्षेत्र में भड़की

थी और फिर तेजी से मैनिटोबा की ओर फैल गई। घने धुएं और ड्रोन गतिविधियों के कारण अग्निशमन विमानों को भी बीच-बीच में रोकना पड़ा है। अमेरिका ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए आग बुझाने के लिए एयर टैंकर और 150 अग्निशमन कर्मियों के साथ उपकरण भेजे हैं। अमेरिकी पर्यावरण एजेंसी ने बताया है कि नॉर्थ डकोटा, मिनेसोटा, मोंटाना और साउथ डकोटा में वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुंच चुकी है। वहीं, मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में कनाडाई धुएं की कई और लहरें अमेरिका में प्रवेश कर सकती हैं।

अमेरिका में दो पुलिस अधिकारियों पर हमला, एक की मौत

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में दो पुलिस अधिकारियों पर शनिवार रात घात लगाकर हमला किया गया। इस हमले में एक अधिकारी की मौत हो गई। यह गोलीबारी लॉस एंजिल्स काउंटी के बाल्डविन पार्क शहर में प्रशांत समयानुसार शाम 7-12 बजे हुई। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट जी. लूना ने रविवार आधीरात को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों पुलिस अधिकारियों की चेतावनी पर संदिग्ध ने उन पर गोली चला दी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अमेरिका के कोलोराडो प्रांत में आतंकी हमला, छह प्रदर्शनकारी यहूदी घायल

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलोराडो प्रांत के बोल्डर में हुए हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए। सभी छह लोग बुरी तरह झुलसे हुए हैं। इनमें एक की हालत ज्यादा खराब है। संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने कहा कि इसकी आतंकवादी हमले के रूप में जांच हो रही है। लक्षित हमले को अंजाम देने वाला संदिग्ध 'स्वतंत्र फिलिस्तीन' चिल्लाया और एक फ्लेम थ्रोवर से हमला किया। हमलावर ने यहूदी प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया गया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि आतंकी समूह हमास बंधकों को रिहा करे। संदिग्ध की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद सबरी सोलिमान के रूप में हुई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध के बीच अमेरिका में यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा की श्रृंखला में यह नया हमला है। यह घटना वाशिंगटन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर दो इजराइली दूतावास कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या के कुछ दिनों बाद हुई। एनबीसी न्यूज के अनुसार, दो वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने रात को बताया कि संदिग्ध मोहम्मद सबरी सोलिमान मिस्र का नागरिक है। कोलोराडो के गवर्नर जेरेड पोलिस ने हमले की निंदा की और इसे घृणित कृत्य कहा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है

कि संदिग्ध पर कानून की पूरी हद तक मुकदमा चलाया जाएगा। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। बोल्डर पुलिस प्रमुख स्टीफन रेडफर्न ने बताया कि एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। बाकी लोगों को मामूली चोट आई है। चार लोगों को बोल्डर सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया और दो को मेट्रो डेनवर में ऑरोरा अस्पताल बर्न यूनिट में एयरलिफ्ट किया गया। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर कहा कि हम पीड़ितों के लिए प्रार्थना में एकजुट हैं। महान देश में आतंक के लिए कोई जगह नहीं है। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने कहा कि यह भयावह है और यह जारी नहीं रह सकता। हमें यहूदी-विरोधी भावना के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। एफबीआई निदेशक काश पटेल और होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बोल्डर में हुए हमले के बारे में जानकारी दे दी गई है। सीएनएन की खबर के अनुसार, एफबीआई डेनवर के विशेष एजेंट-इन-चार्ज मार्क मिचलेक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संदिग्ध सोलिमान नेअस्थायी फ्लेमथ्रोवर का इस्तेमाल किया और भीड़ में एक आग लगाने वाला उपकरण फेंका। यह घटना बोल्डर रन फॉर देयर लाइव्स इवेंट के दौरान हुई। सभी पीड़ित बुजुर्ग हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध को 2005 में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के लिए वीजा देने से मना कर दिया गया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि संदिग्ध ने कब या कैसे अमेरिका में प्रवेश किया।

ड्रग्स तस्करी के मामले में नाइजीरियन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ का धंधा करने के आरोप में नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान डेविड लीने (48) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से कुल 282 ग्राम उम्दा किस्म की कोकीन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ से ज्यादा की बताई जा रही है। वर्ष 2015 में मेडिकल वीजा पर आया डेविड अवैध रूप से भारत में अपने परिवार के साथ रह रहा था। भारत में रहने के दौरान आरोपित ने पहले सैलून खोला। इसके बाद आरोपित ने प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम किया। काम न चलने पर इसने पत्नी के साथ मिलकर अफ्रीकी कम्यूनिटी के लिए एक किचन भी खोला था। काम न चलने की वजह से छह माह पूर्व ही इसने एक अन्य नाइजीरियन नागरिक लियो के कहने पर मादक पदार्थों का धंधा शुरू किया था। आरोपी के पास से साउथ अफ्रीका एक फर्जी पासपोर्ट भी बरामद हुआ है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम पिछले काफी समय से मादक पदार्थों का धंधा करने वालों पर नजर रखे हुए है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि एक नाइजीरियन नागरिक कोकीन सप्लाई करने करने महाबीर नगर, तिलक नगर आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया।

अंत्योदय का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर प्रयासरतः जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर जुटी है, आज भारत प्रगति व प्रतिष्ठा के उत्कर्ष के पथ पर अग्रसर है। जेपी नड्डा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राष्ट्रीय स्मृति संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने उनके जीवनवृत्त पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय पंडित जी ने अत्यंत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। इस दौरान एक कुशल नेता, विचारक व संगठक के रूप में

उपाध्याय जी का राष्ट्रनिर्माण में योगदान अतुलनीय है। जेपी नड्डा ने कहा कि कोई व्यक्ति सिर्फ नेता होता है, कोई विचारक होता है, कोई संगठक होता है, लेकिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय में तीनों गुण थे।

उन्होंने बहुत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय विचारधारा और संस्कृति को धरातल पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं दो दिन में नहीं बनी हैं बल्कि हजारों साल की है, जिनका राजनीतिक और सामाजिक महत्व है। अगर हम समाजवाद की बात करें तो पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा से स्पष्ट था कि अंतिम व्यक्ति की चिंता करो। उन्हीं की प्रेरणा से हम अंत्योदय की ओर बढ़े। विचारधारा स्थूल नहीं होती, वो समय के साथ लगातार बढ़ती रहती है। जिस बीज को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने बोया था वो आज स्थायी शासन के रूप में फल-फूल रहा है।

विकलांग युवती की अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के मदनपुर खादर इलाके में एक विकलांग युवती की अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। युवती रात अपने परिजनों के साथ घर की छत पर सो रही थी। देर रात उसका शव घर के समीप बनी एक खाली झुग्गी में पड़ा मिला। पुलिस ने अपहरण व हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अभी युवती के साथ रेप या सेक्सुअल असॉल्ट की पुष्टि तो नहीं की मगर इससे इंकार भी नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय विकलांग युवती अपने परिवार के साथ मदनपुर खादर एक्सटेंशन इलाके में रहती थी। शनिवार रात करीब 1 बजे पहले सरिता विहार और बाद में कालिंदी कुंज थाना पुलिस को युवती के अपहरण की पीसीआर कॉल मिली। इसके बाद कालिंदी कुंज पुलिस कॉलर द्वारा बताए स्थान पर पहुंची। वहां पता चला कि विकलांग युवती का उसके घर से रात को सोते समय अपहरण हुआ है। युवती अपने परिजनों के साथ छत पर सो रही थी। पुलिस की टीम घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर ही रही थी तभी उसी गली में स्थित एक खाली झुग्गी में युवती का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच पड़ताल की। आसपास के इलाके में छानबीन की। पड़ोस की गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। युवती के परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने वारदात में शामिल संदिग्ध की पहचान कर ली है। उसे पकड़ने के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

योगी सरकार की बड़ी पहल: कृषि उत्पादों के भंडारण व विपणन को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ, 02 जून ।योगी सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए एक बड़ी योजना को अमल में लाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 16 जिलों में 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से 1000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले गोदाम बनाए जाएंगे। यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत संचालित की जा रही है। इस योजना से किसानों को उनके कृषि उत्पादों के भंडारण की बेहतर सुविधा मिलेगी। जिससे उन्हें फसल बेचने में जल्दबाजी नहीं करनी पड़ेगी और उचित दाम मिल सकेगा। इसके अलावा इन गोदामों से कृषि उद्योग तथा रोजमर्रा की वस्तुओं के वितरण और विक्रय का भी सशक्त प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच, रायबरेली, एटा, मथुरा, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, जालौन, पीलीभीत और झांसी में इन गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों में 500 से 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही इन गोदामों से किसानों को उनकी उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की सुविधा भी मिलेगी। इन गोदामों के जरिये कृषि उपज और रोजमर्रा की वस्तुओं के विक्रय में पारदर्शिता व कुशलता आएगी। भंडारण सुविधा मिलने से किसान सीधे बाजार में उचित समय और उचित मूल्य पर उपज बेच सकेंगे, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाएगी।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई

है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जे एन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इन वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने पश्चिमी वायु कमान में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान में एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभाला। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और उन्हें 16 दिसंबर, 1989 को वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों पर 3000 घंटे से अधिक उड़ान भरी है। एयर ऑफिसर को राष्ट्रपति पुरस्कार 'अति विशिष्ट सेवा पदक' और 'वायु सेना पदक' मिल चुका है। वायु सेना में वह एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर रहे हैं और अपने ऑपरेशनल करियर में उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन की कमान संभाली है। वह एक फॉरवर्ड बेस के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर और एक प्रीमियम फाइटर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रहे हैं। उन्होंने एयर हेडक्वार्टर और कमांड हेडक्वार्टर में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। वायु अधिकारी ने 2017 में रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स और 2018

में यूएसएएफ के साथ संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का निर्देशन किया है। उन्होंने सेंट्रल एयर कमांड के वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी प्रशासन और वायु रक्षा कमांडर के पदों पर कार्य किया। एयर मार्शल प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, लंदन (यूके) के पूर्व छात्र भी हैं। भारतीय वायु सेना के पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वे वायु सेना मुख्यालय में महानिदेशक (हथियार प्रणाली) थे।

इंदिरा गांधी ने भारतीय फौज को हरिमंदिर साहिब पर हमला. . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

आयोग यह पता लगाए कि:

- ऑपरेशन का आदेश किसने और किन कानूनी आधारों पर दिया?
- कितने निर्दोष श्रद्धालु मारे गए?
- कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें कहां ले जाया गया?
- शवों का क्या किया गया?
- कितनी लाशें सेना द्वारा बरामद की गईं और कहां दफन या नष्ट की गई?

यह आयोग अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करे और यह भी सिफारिश करे कि भविष्य में ऐसी त्रासदी फिर कभी न हो, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए। भारत जब तक अपने ऐतिहासिक अपराधों को स्वीकार नहीं करता, तब तक वह एक सच्चा लोकतांत्रिक राष्ट्र नहीं बन सकता। सिख समुदाय के दर्द को पहचानना, सच्चाई को सामने लाना और न्याय देना । भारत को कमजोर नहीं करेगा, बल्कि उसे और मज़बूत बनाएगा। आने वाली यह वर्षगांठ केवल चुप्पी में न गुज़रे , यह न्याय और सत्य की एक नई पुकार बने।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल

NAME CHANGE

I, SHAKUNTALA DEVI W/O TARACHAND RAY R/O HOUSE NO-1744,SECTOR-4, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SHAKUNTLA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, RAVINDER S/O RANDHIR R/O Q-33, TYPE-5, R T C, BHONDSI, GURUGRAM, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO RAVINDER SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I hitherto known as YASH S/o KRISHNA BIHARI PATHAK, R/o J-253, J J Colony, Old Seemapuri, Dist; East Delhi, Delhi - 110095 have changed my name and shall hereafter be known as YASH PATHAK.

NAME CHANGE

I hitherto known as MONU BISWO KARMA S/o KARAN KUMAR residing at 44G/9 , Ground Floor, Kishangarh, Vasant Kunj, PO: Vasant Kunj, Dist: South West Delhi, Delhi - 110070, have changed my name and shall hereafter be known as OSHAN BISWO KARMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Md. Imran Ali Ansari alias Md Imran Ali Ansari S/O: Md. Hadish Ansari, RZH-111, Near Pearl Public School, Nihal Vihar, Nangloi, PO:Nangloi, DIST:West Delhi, Delhi, 110041,have changed my name and shall hereafter be known as Md.Imran Ali Ansari

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AISHWARYA KHANNA SRIVASTAVA alias AISHWARYA KHANNA D/o Shri RATAN KUMAR KHANA and Ex. wife of Shri HEMANSHU SRIVASTAVA residing at C-708, Unesco Appartment, Near Balco Market, I.P. Extension, Karkardooma Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. HMA/474/2025 dated 26-03-2025. Further I have changed the name of mine and my minor daughter namely DRITI SRIVASTAVA aged 02 years and we shall hereafter be known as AISHWARYA KHANNA and DRITI KHANNA respectively.

NAME CHANGE

I, hitherto known as BINOD MAHATO S/O SAHDEV MAHTO R/O BLOCK-E-117, GANESH NAGAR, PANDAV NAGAR COMPLEX, EAST DELHI. DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as BACHHA LAL.

NAME CHANGE

I, hitherto known as CHANDER KIRAN alias CHAND KIRAN W/O PANNA LAL R/O A-814, MANGOL PURI, MANGOLPURI N BLOCK, NORTH WEST DELHI, DELHI-110083 have changed my name and shall hereafter be known as CHAND KIRAN.

NAME CHANGE

I, BALDEV RAJ S/O VED PRAKASH R/O H.NO-34/18, LAXMI GARDEN, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME SANTUSHTI TO SANTUSHTI MANCHANDA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I hitherto known as SUJAL S/O SATISH R/O R-128, G/F, TYPE -2, JAL VIHAR KILOKRI LAJPAT NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110024 have changed my name and shall hereafter be known as SUJAL CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I hitherto known as VISHAL S/O SATISH R/O R-128, G/F, TYPE -2, JAL VIHAR KILOKRI LAJPAT NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110024 have changed my name and shall hereafter be known as VISHAL CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I, DEEPANSHU S/O CHANDRA PAL YADAV residing at US-278B, GALI NO-2, NEAR HIMACHAL BEKARY, NIRMAN VIHAR, MANDAWALI, DELHI-110092 have changed my name to DEEPANSHU YADAV for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ISHA FALWARIYA D/O RAJESH R/O 16/3183, BLOCK NO-16, AMRIT KAUR PURI, KAROL BAGH, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI, DELHI-110005 declare that name of mine has been wrongly written as ISHA in my CASTE CERTIFICATE-SC/02/32/18418/15/11/2011/921103 4060. The actual name of mine is ISHA FALWARIYA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as JASBIR KAUR W/O GURMEET SINGH R/O GURDWARA GOBIND SADAN, BABA VIRSA SINGH MARG, GOBIND SADAN, GADAIPUR, GADAI PUR, SOUTH DELHI, DELHI-110030 have changed my name and shall hereafter be known as JASPINDER KAUR.

NAME CHANGE

I, BALA KUMARI POTNURU Wife of 15681138W Rank-HAV Name-SRINU POTNURU residing at VILL-GOTTA, HOUSE NO -135, KAPU VEEDHI, PO-TUNGATAMPARA, TEH-HIRAMANDALAM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532459, have changed my name from BALA KUMARI POTNURU to POTNURU BALAKUMARI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/02/1988 instead of my correct date of birth as 01/01/1986 Vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as VARUN alias VARUN KANOJIA S/o SOHAN LAL Residing at House No. 65, Plot No. Old -4, Khasra No.31/6, Upper Ground Floor, Gali No. 3, Block - E, Hardev Nagar Village Burari, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name and shall hereafter be known as VARUN KANOJIA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as LATA alias LATA DIAL D/o MAHENDER W/o RAJESH DIAL residing at D-48D, Type-2, MCD Colony, Azadpur, North West Delhi, Delhi - 110033 have changed my name and shall hereafter be known as LIZA. I have changed only my name not my religion.

NAME CHANGE

I, BUVANESWARI VISVANATHAN Wife of No-23000672K Rank-GNR Name–VISVANATHAN P R/o H NO-362/3, BAJANAI KOVIL STREET, VILL-SENGAMPOONDI, PO-PERNAMULLUR, TEHSIL-CHEYYAR, DISTT-TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-604503, have changed my name from BUVANESWARI VISVANATHAN to BUVANESWARI C for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Bisham Kumar S/o Sh. Amarjeet Sejwal & Mr. Sanjay Sejwal are the owner of Plot bearing no. F-221,area measuring 175 sq. yards, Khasra no. 225, situated at extended abadi of Lal Dora of village Lado Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi 110030 by virtue of Sale Deed dated 14.02.2018 which is registered as Doc no. 2180 in Sub Registrar VA Hauz Khas, who are further selling the Flat No.7 On Third Floor, Area Measuring 90 Sq. Yds. Built on Property Bearing No.F-221, Erected On The Plot Of Land Measuring 175 Sq. Yds., Khasra No.225, Situated At Extended Abadi Of Lal Dora Of Village Lado Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi-110030. However, due to a typographical error in the above said Sale Deed dated 14.02.2018 name of Mr. Bisham Kumar s/o Mr. Amarjeet Sejwal is wrongly typed as "Mr. Bishav Kumar". It is hereby informed that Mr. Bisham Kumar & Mr. Bishav Kumar are one and the same person. Any person or entity having any objection to this correction or claiming any right, interest, or lien in the said property is hereby requested to contact the undersigned within 7 days from the date of this publication, failing which the correction process will be carried out and it shall be presumed that there are no objections.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 011-49774545

NAME CHANGE

I Priti W/O Om prakash 149, Gali no. 3 , C Block, Brijpuri, gokal puri, North Delhi, Delhi - 110094 have changed my name to preeti.

NAME CHANGE

I Om Parkash S/O Lekhraj 149, Gali no. 3 , C Block, Brijpuri, gokal puri, North Delhi, Delhi - 110094 have changed my name to Om Prakash.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SHAMSHAD AHMAD S/O MOHD MUSLIM R/O 38/7, 2nd FLOOR, STREET NO-4, SANGAM VIHAR, WAZIRABAD, NORTH DELHI, DELHI-110084 declare that name of my wife and my minor daughter has been wrongly written as JANNATUN NISHA and WASIFA in my minor daughter WASIFA QURESHI aged 15 years in her school Records. The actual name of my wife and my daughter are JANNATUN NISA and WASIFA QURESHI, which may be amended accordingly.

(BEDAKHAL)

I, KRISHNA DEVI wife of Shri RAJESH declare as under that I disowned my two Son`s RAHUL his wife PINKI and 2nd Son ROHIT his wife SNEHA from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by both in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That both debarred from entering my premises situated at T-3798, GALI NO-21A, MALI RAM GALI, BALJEET NAGAR, PATEL NAGAR, DELHI-110008.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client **(SMFG India Credit Co. Ltd.)** that one **Mrs. Anshu Brij alias Anshu Kumari** is claiming to be the owner of Eastern Side ½ Portion on Ground Floor without roof rights, area measuring 92 sq. mtrs. built on Property bearing Municipal no. 128-D (built on Plot no: 128, Block-D), Area Measuring 220 sq. yds., situated at Kamla Nagar, Delhi-110007, vide Sale Deed dated 10.11.2016, duly Registered with SRO-I New Delhi, as Document no. 9949, Book no. 1, Volume no. 6431, page no. 55-62, on dated 10.11.2016 executed by Mr. Shikhar Soni (s/o Late Suman Soni). All persons are hereby informed that above owner (through **SHREE BANKEY BIHARI BRIJ WASI RASGULLE WALA)** wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

For Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com
Ph: 011-41112527-28

NAME CHANGE

I SURINDER PAL SINGH ROOPRAI S/O GURDIAL SINGH R/O 1202 TOWER-7 EMAAR PALM GARDEN, SECTOR-83, GURGAON-122004 HAVE CHANGE MY NAME TO SURINDER PAL SINGH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, POOJA W/O JITENDER DRALL R/O HOUSE NO-61, TIKRI KALAN PANNA, DOPLAN, TIKRI KALAN, WEST DELHI, DELHI-110041, have changed the name of my minor daughter ANIKAA alias ANAYA aged 10 years and she shall hereafter be known as ANIKAA DRALL.

PUBLIC NOTICE

General Public at large is hereby informed that my client Shri Faiyazuddin, son of Alimuddin, resident of W-10, DDA Flats, Behind Police Bhawan, Turkman Gate, Delhi-110006, has debarred and disowned his son namely Aijazuddin, son of Faiyazuddin and his family from all his moveable and immoveable properties due tot heir misbehavior and severe all relation with them. anybody dealing with them financially or otherwise, shall do so at their own cost and risk.

ABHINAY GUPTA Advocate
4/7, SR-III Office Campus,
Asaf Ali Road, New Delhi

NAME CHANGE

I, No-15245609A Rank-NK (OPR) Name-YAVARNA BHAGYA RAJ residing at 32-60/19, RAJANNA COLONY, PO-BHALIGHATTAM, TEH-KOTHAVALASA, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535183, have changed my father's name from APPARAQ to YAVARNA APPARAO for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15245609A Rank-NK (OPR) Name-YAVARNA BHAGYA RAJ residing at 32-60/19, RAJANNA COLONY, PO-BHALIGHATTAM, TEH-KOTHAVALASA, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535183, have changed my mother's name from MAHALAXMI to YAVARNA MAHA LAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-15245609A Rank-NK (OPR) Name-YAVARNA BHAGYA RAJ residing at 32-60/19, RAJANNA COLONY, PO-BHALIGHATTAM, TEH-KOTHAVALASA, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535183, in my service records my father's (YAVARNA APPARAO) date of birth wrongly mentioned as 28/05/1957 instead of his correct date of birth as 01/07/1957 vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-15245609A Rank-NK (OPR) Name-YAVARNA BHAGYA RAJ S/o YAVARNA APPARAO residing at 32-60/19, RAJANNA COLONY, PO-BHALIGHATTAM, TEH-KOTHAVALASA, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535183, in my service records my mother's (YAVARNA MAHA LAKSHMI) date of birth wrongly mentioned as 18/10/1963 instead of her correct date of birth as 14/06/1962 vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ganesh Das No.4574916L, Rank-Hav Name-Ganesh Das, residing at Vill Kotli Tanda, PO-Gandharwan,Tehsil - Akhnoor, District. Jammu & Kashmir, J&K-181201 have changed my name from Ganesh Das to Ganesh Dass vide affidavit dated 02.06.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANGEETA DEVI W/O RAMVILASH YADAV R/O Gram- Manaura, Post, Manaura, Nidhauli, Kalan Etah Nidholi Kalan, Uttar Pradesh - 207122 have changed the name of my minor daughter KM. BRAJNANDNI aged 15 years and she shall hereafter be known as VARSHA

NAME CHANGE

I, Dharmesh Kumar S/o Shri Shivpati R/o A-9, First Floor, Krishna Enclave, Model Town, Gaziabad City, District Gaziabad-201009, Have Changed the name of my minor daughter Shree aged 10 year and she shall hereafter be known as SHREE SHUKLA.

सार्वजनिक सूचना

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री मदन मोहन मिश्रा एक आवासीय खाली भूखंड के विधिसम्मत स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 78 वर्ग गज (अर्थात् 65.21 वर्ग मीटर) है, जो खसरा संख्या 1266 का भाग है, स्थित महालक्ष्मी गार्डन कॉलोनी, ग्राम लोनी (चकबंदी क्षेत्र), तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त संपत्ति श्री मदन मोहन मिश्रा ने श्रीमती सोनवती से दिनांक 02.09.2024 को एक पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से क्रय की थी, जिसकी पंजीकरण संख्या 15985 है। दस्तावेजों की श्रृंखला में दिनांक 08.08.2013 का मूल बिक्री विलेख शामिल है, जो दस्तावेज़ संख्या 35761 के रूप में, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 25608, पृष्ठ संख्या 245 से 262 तक, दिनांक 08.08.2013 को उप–पंजीयक कार्यालय–IV, गाज़ियाबाद में पंजीकृत है। हालांकि, कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त दस्तावेज़ अब गुम हो चूका हैं। दस्तावेज के गुम होने के संबंध में एक ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसकी एल.आर. संख्या 20250000348150 है, दिनांक 21.05.2025, पुलिस यूनिट- पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवा मुख्यालय, लखनऊ। कृपया यह भी ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गौर सिटी शाखा, उत्तर प्रदेश के माध्यम से वित्तपोषित है यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जितेंद्र, पुत्रः वीरपाल, पताः तिलक राम कॉलोनी, बेहता हाजीपुर, लोनी, गाजियाबाद, यूपी और गांव जैथरा, जिला एटाह, यूपी** ने **FIR No. 571/2021, U/s 379/356/411/34 IPC, पुलिस थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जितेंद्र** मिल नही रहा है और मुझे समाधनप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **जितेंद्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **जितेंद्र** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08
कमरा नं. 005,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6870/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **यश कौशिक, पुत्र रविंदर कौशिक निवास एच–2, गोविंदपुरम, हापुड़ रोड, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 288/2024, दिनांक 31.08.2024 धारा 281/106(1)/318(4)/336(3)/340(2) बीएनएस, थाना बुद्ध विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **यश कौशिक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **यश कौशिक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 288/2024, दिनांक 31.08.2024 धारा 281/106(1)/318(4)/336(3)/340(2) बीएनएस, थाना बुद्ध विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **यश कौशिक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दिव्या अरोड़ा
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–04, उत्तर–पश्चिम
कोर्ट नं. 112, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/6813/RD/2025

NAME CHANGE

I ANKIT KUMAR AMBAWATA S/O SATISH KUMAR AMBAWATA R/O 89 DANI MOHULLA NEAR KAPOOR FACTORY JONAPUR, MEHRAULI DELHI-110030 HAVE CHANGE MY NAME TO ANKIT AMBAWATA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, Akash S/O Mahander pal singh R/O Near C Lal Chowk 807 Street No-7 Govind puri Kalka ji South Delhi 1110019 have changed my name to Akash Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Shakeel Ahmad s/o Ali Mohammad R/O H.No. J-17/8, Street No.-13-A, Vijay Mohalla, Mouj Pur, Delhi-110053, have change my name to Shakeel Ahmed permanently

NAME CHANGE

I, Shakil Ahmed s/o Ali Mohammad R/O H.No. J-17/8, Street No.-13-A, Vijay Mohalla, Mouj Pur, Delhi-110053, have change my name to Shakeel Ahmed permanently

NAME CHANGE

I,Shehnaz w/o Shakeel Ahmed R/O H.No. J-17/8, Street No.-13-A, Vijay Mohalla, Mouj Pur, Delhi-110053, have change my name to Shakeel Ahmed permanently

NAME CHANGE

I, Tabassum Parveen w/o Mohd Izhar R/O H.NO.695, Gali No.27, Jafrabad, Delhi-110053, have change my name to Tabassum permanently

NAME CHANGE

I, GEETHU MANOJ Wife of No-15168485N Rank-NK Name–MANOJ G R/o R Z-10 302, GOLDEN APARTMENT, GALI NO 5, RAJ NAGAR PART-1, PALAM COLONY, RAJ NAGAR-II, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed my name from GEETHU MANOJ to GEETHU S PILLAI for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, APPA LAMMA Mother of No-14449855W Rank-HAV Name-MADHAVA RAO MATTA Presently residing at VILL-TALABHADRA, PO-KASIBUGGA, TEH-PALASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my name from APPA LAMMA to APPALAMMA MATTA for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, MATTA APPARAO Father of No-14449855W Rank-HAV Name-MADHAVA RAO MATTA Presently residing at VILL-TALABHADRA, PO-KASIBUGGA, TEH-PALASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of my correct date of birth as 12/08/1950 vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, HEMOLATA SINGHA Wife of No-15672247F Rank-HAV Name-MANI CHANDRA SINGHA Presently serving at KAMRANGA BOND PT I, CACHAR, ASSAM-788107, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1984 instead of my correct date of birth as 01/07/1984 vide Affidavit dated 02/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PERVEEN W/O MARAJUDDIN residing at T-553 FIRST FLOOR LEFT KH NO-208 GALI NO-15 GAUTAMPURI SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to PARVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KAMAL KISHORE S/O TIRKHA RAM residing at HNO-112, SARAI JULLENA, NEW FRIENDS COLONY, DELHI-110025 have changed my name to KAMAL KISHOR SHARMA for all future purpose.

गुरुग्राम में खेल मंत्री की बोलिंग पर सीएम सैनी ने मारे शॉट

गुरुग्राम। यहां राजीव चौक के पास युवाओं को क्रिकेट खेलते देख सीएम खुद को रोक नहीं पाए और उनके बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला लेकर एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह बल्ला हाथ में लेकर बोलिंग का इंतजार किया। सीएम के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम ने बोलिंग की। दरअसल सीएम गुरुग्राम में एक देश एक चुनाव थीम के साथ आयोजित की जा रही तीन किलोमीटर रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम लेजर वैली पार्किंग में सुबह छह बजे आयोजित किया गया। यहां से सीएम निकले तो राजीव चौक पर उन्हें युवा क्रिकेट खेलते नजर आए। उन्होंने अपना काफिला उधर मुड़वाया और युवाओं के बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला हाथ में थामा और विकेट पर बैटिंग के लिए तैनात हो गए। खेल मंत्री गौरव गौतम ने उनके लिए बोलिंग की, जिस पर सीएम ने शॉट लगाए। युवाओं के साथ युवा बनकर सीएम ने काफी देर तक क्रिकेट खेला। इसके बाद सभी का हाल चाल जानकर वे वहां से चले गए।

नगर निगम ने हमारा प्यार हिसार संस्था के साथ चलाया सफाई अभियान

हिसार। नगर निगम एवं हमारा प्यार हिसार की ओर से डाबड़ा रोड से साउथ बाइपास से लेकर सेक्टर 9-11 मोड तक संयुक्त महा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद डॉ. सुमन यादव, सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई राहुल, दरोगा सुधीर सहित सफाई कर्मचारी व हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सफाई महा अभियान की शुरूआत तोशाम रोड साउथ बाईपास से की गई। इस दौरान सड़क के दोनों ओर मिट्टी को उठाया गया। इसके साथ डिवाइडर लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया गया। इसके साथ ही ट्री ट्रिमिंग मशीन से वृक्षों की ट्रिमिंग की गई। जेसीबी की सहायता से मिट्टी को समतल किया गया। सफाई की मशीनों से रोड की सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़क व उसके साथ की सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हमारा प्यार हिसार के संस्था के सदस्यों ने भी इस सफाई महा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने श्रमदान किया। संयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि मेयर प्रवीण पोपली और निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलाए जाते है।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक व पर्यावरण संरक्षण में सहायक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिरी सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शिरकत की। साइकिल रैली में विभिन्न महाविद्यालयों एवं साई के विधार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। कुलपति प्रो. कम्बोज एवं नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी सहायक है। यह एक सरल, सुलभ, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन है। हमें प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन में राहत मिलती है। इससे मोटापा घटता है और वजन नियंत्रित रहता है। साइकिल चलाने से पैरों की ताकत और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है ।

निवास प्रमाण पत्र के लिए नहीं होगी तिथि की बाध्यता

चंडीगढ़। हरियाणा में सीईटी पंजीकरण के दौरान अभ्यर्थियों को आ रही दिक्कतों के मद्देनजर कर्मचारी चयन आयोग ने निवास प्रमाण पत्र के लिए तिथि की बाध्यता को खत्म कर दिया है। हरियाणा में इन दिनों युवा सीईटी के लिए आवेदन कर रहा है। अब तक लाखों की संख्या में युवा आवेदन कर चुके हैं। कुछ अभ्यर्थियों को सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान सर्टिफिकेट को लेकर कुछ प्रश्न सामने आए थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि निवास प्रमाण पत्र के लिए किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं। यह सर्टिफिकेट मान्य होंगे। उन्होंने कहा कि डीएससी व ओएससी सर्टिफिकेट के लिए भी किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं, जो कि मान्य होंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन है राष्ट्रहित का विचार : नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार के प्रचार प्रसार में युवाओं से सहभागी बनने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन-भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में एक राष्ट्र-एक चुनाव थीम पर आयोजित गुरुग्राम रन को रवाना करने से पूर्व अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत कई विधायक व नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है।

जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। वन नेशन-वन इलेक्शन प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। गुरुग्राम रन में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गांव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम सिर्फ एक आधुनिक शहर नहीं है।

मेहनत व लग्न से खिलाड़ी को मिलेंगी ऊंचाइयां: राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। लिटिल एंजल्स स्कूल के बैडमिंटन हॉल में 43वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर निगम मेयर और मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से खिलाड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। खेलों को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा न केवल स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि खेलों में अनुशासन और समर्पण से उज्ज्वल भविष्य भी बना सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर-11, 13, 15, 17, 19 और वेटरन्स (30 से 65 वर्ष) वर्ग के मुकाबले 6 जून तक आयोजित होंगे। कार्यक्रम में एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा राजीव जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही है। खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि और मानदेय बढ़ने से उनका मनोबल भी ऊंचा हुआ है। स्कूल की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महासचिव जगबीर छिक्कारा, विवेक आर्य, नवीन कुमार, प्रियव्रत, के.के. सांगवान, हरदीप सरोहा, अजय राठी, सुरजीत दहिया, शशि कांत कौशिक, सुशील पराशर सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक मॉनसून में लगाए दो पौधे : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम जिले के हयातपुर गांव में स्वच्छ हरियाणा और प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम थीम के तहत 1100 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। उपस्थित नागरिकों को पॉलिथीन मुक्त हरियाणा का संकल्प दिलाया गया। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। आगामी मॉनसून में हर व्यक्ति दो पौधे अवश्य लगाए। एक अपने लिए और दूसरा अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए। यह न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि भावी पीढियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की नींव रखेगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य मात्र पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित करना भी है। इसलिए पौधारोपण करते समय नागरिक ऐसे स्थलों का

चयन करें जहाँ वे आगामी पाँच वर्षों तक पौधों की देखभाल सुनिश्चित कर सकें। राव ने कहा कि हरित क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक को बेहतर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिकतम हरित क्षेत्र का सृजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हवा, पानी और भोजन ये तीनों मानव जीवन के आधार स्तंभ हैं। यदि इनमें से कोई भी तत्व दूषित होता है, तो उसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

योग हमारे पूर्वजों की देन : एसपी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन पद्धति है जो हमारे पूर्वजों की देन है। यह न केवल मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। एसपी पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव को लेकर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सात सौ पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। सिरसा आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र नागर के मार्गदर्शन में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं करवाई गई। एसपी ने कहा कि योग करने से मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि सुबह- योग करने से व्यक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष में पूरे हरियाणा में योग दिवस मनाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग जीवन जीने का एक तरीका है जो पूरी दुनिया में भारत की देन है। भारत एक ऐसा देश है जिसने पूरे विश्व को योग

करना सिखाया है इसीलिए भारत को विश्व गुरु के नाम से भी जाना जाता है। एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में योग अभ्यास में निपुण मास्टर ट्रेनर लगाए जाएंगे और योग अभ्यास को पुलिसकर्मियों की दिनचर्या में शामिल किया जाएगा। इससे पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने में मदद मिलेगी और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपनी ड्यूटी व कर्तव्य पालन का बेहतर निर्वहन कर सकें। एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए योग विशेष रुप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें तनाव और थकान से मुक्त मिलती, इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित योग अभ्यास कर अपने आप को स्वस्थ रखें। इस अवसर पर योगाचार्य ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मानेसर नगर निगम से सात पार्षद भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम की पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए मानेसर नगर निगम से कई पार्षद भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की मौजूदगी में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होने वाले पार्षद वार्ड-12 गांव मानेसर से प्रवीन कुमार, वार्ड-11 गांव मानेसर से मनोज कुमार, वार्ड-16 गांव नौरंगपुर से दयाराम, वार्ड-7 गांव बास कुसला से कंवर पाल, वार्ड-14 गांव नाहरपुर से संगीता, वार्ड-8 गांव कासन से भूपेंद्र चौहान और वार्ड-15 गांव नखड़ौला से पिंकी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सभी पार्षदों को पटके पहनाकर पार्टी में शामिल करते हुए सम्मानित किया। साथ ही विश्वास दिलाया कि संगठन में उन्हें उचित मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का परिवार आज शामिल हुए पार्षदों के साथ बढ़ गया है। हम सब मिलकर क्षेत्र के बेहतरी के लिए काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मानेसर नगर निगम से सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास के काम किए जाएंगे। भाजपा पटौदी जिला अध्यक्ष गुरुग्राम ग्रामीण अजीत ड्क्षसह ने कहा कि सभी पार्षदों का संगठन में ह्रदय की गहराइयों से स्वागत है। भाजपा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और भविष्य में जनसेवा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। सभी पार्षदों का स्वागत करते हुए मानेसर नगर निगम से भाजपा के मेयर प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक दल से अधिक परिवार है। परिवार में हर सदस्य को गरिमापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। संगठन में मेहनती कार्यकर्ताओं को सदा बड़ा सम्मान संगठन ने दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश का समान विकास कर रही है।

कपास में गुलाबी सुंडी की निगरानी हेतु फैरामोन ट्रैप लगाने की सिफारिश

एजेंसी

जींद। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न गांवों में जाकर कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिडारा के प्रभारी डा. रामकरण गौड ने बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी का नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को अपने खेत में फैरामोन ट्रैप, दो ट्रैप प्रति एकड़ के हिसाब से लगाने चाहिए और उनमें तीन दिन और रात को गुलाबी सुंडी का वयस्क चैक करना चाहिए कि कितने प्रोड प्रति रात उसके अंदर ट्रैप हुए हैं। अगर प्रति रात छह से आठ प्रौड ट्रैप होते हैं तो हमारे को सुंडी के नियंत्रण के लिए कदम उठाना पड़ेगा। इसके लिए हम बिजाई से 0 से 60 दिन तक नीम बेस्ड प्रोडक्ट जैसे की नीमबीसीडीन या नीम सीडकर्नल एक्सट्रैक्ट का स्प्रे करना चाहिए। किसानों को विकसित टेक्नोलॉजी के साथ चलना पड़ेगा। आजकल हर किसान भाई के पास मोबाइल फोन होता है वह उसमें अपने फसल की फोटो उतार कर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के व्हाट्सएप पर भी भेज सकते हैं और अपनी समस्या के बारे में पूछ सकते हैं। गांव झील, बडनपुर व सुंदरपुरा में डा. सुरेंद्र मित्तल ने कृषि विज्ञान केंद्रों व वहां पर प्रदान की जाने वाली जानकारियों के बारे में बताया। डा. राजेश ने मौसम से जुडी जानकारी प्रदान की। पशु चिकित्सक डा. नवीन ने पशुओं के रखरखाव की जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञ डा. केशव ने फसल चक्र की महत्ता पर प्रकाश डाला।

पेशेवर नशा तस्करों को अब एक साल तक रहना होगा जेल में : शशांक सावन

पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस के तहत की कार्रवाई, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। पुलिस अब नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी ताकि कोई भी नशा तस्कर एक साल से पहले जेल से बाहर न आ सके।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि हिसार पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो महिलाओं अंबेडकर बस्ती निवासी बिमला और शांति नगर निवासी बबली पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों पर हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन और तीन से अधिक केस दर्ज है। इनमें पुलिस द्वारा आरोपियों से वाणिज्यिक मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई है। पुलिस पेशेवर नशा तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस

नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई। ये मामले अभी न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिसार पुलिस ने पिछले पांच महीनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 47 केस दर्ज करके 86 आरोपियों को गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। इनमें सात मामलों में वाणिज्यिक मात्रा में (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस इलिसिट ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट, 1988) के तहत कार्रवाई करेगी, जो हाल के दिनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में रहे है पुलिस द्वारा उन नशा तस्करों की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज व भगवान परशुराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग:अरविंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, पहरावर धाम में स्थापित होगी भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गांव पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज सहित गौड़ संस्था के प्रशासनिक भवन, भगवान परशुराम पब्लिक स्कूल, भगवान परशुराम कालेज ऑफ नर्सिंग फार गर्ल्स का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। कैबिनेट मंत्री सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की भव्य व सबसे बड़ी प्रतिमा समाज के सहयोग से रोहतक के पहरावर धाम में स्थापित की जाएगी। इसके लिए नामचीन आर्किटेक्ट्स व कारीगरों से विशेष कार्य योजना तैयार करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 साल बाद गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा कैम्पस में जो शुरुआत हुई हैं, उससे प्रदेश के

युवाओं को बड़े अवसर व अपार संभावनाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस में भगवान परशुराम जन्मोत्सव अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथों गौड़ संस्था कैम्पस में शुभ शुरुआत हुई है, जिसको लेकर विप्र समाज व सर्व समाज में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जहां मैचिंग ग्रांट की घोषणा के साथ पहरावर कैम्पस में शैक्षणिक परिसरों के विकास को गति देने का काम किया है, वहीं गांव पहरावर में विभिन्न विकास कार्यों की मांगों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति देते हुए उनकी फिजिबलिटी की जांच करवाते हुए पूरा करवाने का भरोसा दिया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के चुनाव से पहले संस्था के सदस्यता अभियान को खुलवाया जाएगा।

श्याम जागरण से लौट रहे छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

हिसार। हांसी में पीसीएसडी स्कूल प्रांगण में चल रहे श्याम महोत्सव के दौरान श्याम मंदिर रोड़ पर करीब आधा दर्जन बदमाशों ने बाइक सवार एक युवक को घेरकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों द्वारा चाकूओं से हमला करने के बाद युवक ने मंदिर के अंदर भाग कर जान बचाने का प्रयास किया लेकिन बदमाशों ने उसका पीछा कर मंदिर के अंदर भी

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I AANSHU S/O SURJEET SINGH R/O Puja Kalan, Jind, Haryana - 126112 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SURJEET and MUNESH in my 10th class mark-sheet The actual name of my father and my mother are SURJEET SINGH and MANESH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Arun kumar, S/o- Hukam Chand, R/o: House No-1653, Ward No-6, Sector-2, Rohtak, Rohtak Haryana-124001 Declare that Name of My Minor Son Has been Wrongly Written as Jatin Singla in My Minor Son Jatinn Singla aged 14 years in his School Records.The actual Name of My Minor Son is Jatinn Singla which May be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Arun kumar, S/o- Hukam Chand, R/o House No-1653, Ward No-6, Sector-2, Rohtak, Rohtak- Haryana-124001 Declare that Name of My Minor Daughter has been Wrongly Written as Paavni Singla in My Minor Daughter Pragya Singla aged 11 years in her School Records.The actual Name of My Minor Daughter is Pragya Singla which May be amended accordingly.

आंदोलन में मारे गए साथियों को किसानों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

जींद। गांव गुलकनी में किसान आंदोलन के दौरान साल 2002 में जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय किसान यूनियन द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भाकियू के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत के अलावा राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह के अलावा प्रदेश भर से किसान पहुंचे। सबसे पहले सुबह आठ बजे हवन किया गया। किसान नेताओं ने संबोधन से पहले किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद किसान नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि बिजली के बिलों को लेकर प्रदेश भर में साल 1992 से बिजली आंदोलन चला आ रहा है। साल 2002 में गांव गुलकनी के पास भाकियू के कार्यक्रम के धरने के दौरान जिला प्रशासन ने गोली चलवा दी। पुलिस की गोली लगने से 9 किसानों की जान चली गई

थी। जान गंवाने वाले किसानों में राजपुरा भैण गांव के पांच किसान हवा सिंह, दिलबाग, राजेश, महासिंह, ओमप्रकाश, गांव गुलकनी निवासी चार किसान बिजेंद्र शर्मा, राम गोपाल, राजबीर, नरेश शामिल हैं। बाद में इन जान गंवाने वाले किसानों के स्टेच्यू यूनियन द्वारा गुलकनी में बनवाए गए। तभी से हर साल गुलकनी गांव में भाकियू द्वारा किसान शहीदी दिवस मनाया जाता है। नौगामा खाप व भाकियू ने इन किसानों की याद में गुलकनी गांव में स्मारक का निर्माण करवाया हुआ है। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से किसान पहुंचे और किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों को याद किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला, प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, जिला अध्यक्ष बारू राम, ने कहा कि भाकियू द्वारा जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा और इसे गांव-गांव के स्तर पर ले जाया जाएगा।

चीन सहित पड़ोसी देशों से एफडीआई की मंजूरी में आई तेजी

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रेस नोट 3 के प्रावधानों के तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से लंबित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों की संख्या कम है। 2020 के प्रेस नोट 3 के तहत सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से विदेशी निवेश के लिए इसकी पूर्व स्वीकृति अनिवार्य कर दी है। ये देश हैं चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान। निर्णय के अनुसार, इन देशों के एफडीआई प्रस्तावों को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि अंतर-मंत्रालयी समिति की बैठकों की समीक्षा कैबिनेट सचिव स्तर पर भी नियमित रूप से होती है। वर्तमान में, गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति प्रेस नोट के तहत आवेदनों पर विचार कर रही है। उद्योग विशेषज्ञों ने सरकार से प्रेस नोट 3 नियमों को आसान बनाने का आग्रह किया है, क्योंकि छोटी सी चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भी इसके तहत मंजूरी लेनी पड़ती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करने के कारगर प्रयास किए गए।

इंडिगो ने तीस और ए-350 विमानों के लिए दिया ऑर्डर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने चौड़ी बॉडी के 30 और ए350-900 विमानों का ऑर्डर देने की घोषणा की। पिछले साल अप्रैल में एयरलाइन ने 30 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें 70 और विमान खरीदने का विकल्प भी रखा था। राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया से बातचीत में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि 70 विमानों के विकल्प में से अब 30 विमानों का पक्का ऑर्डर दिया जा रहा है। इंडिगो ने आयटा वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट समिट (वाट्स) के मौके पर एयरबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उसने अपने चौड़ी बडॉ ऑर्डर को 30 से बढ़ाकर 60 कर दिया। एयरलाइन ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दीर्घकालिक योजनाओं को परिभाषित करने की दिशा में एक और कदम है। इंडिगो के पास वर्तमान में 430 से अधिक विमानों का बेड़ा है और यह प्रतिदिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित करती है। कंपनी के पास 900 से अधिक विमान ऑर्डर पर हैं, जो आने वाले वर्षों में डिलीवर होंगे। 2030 तक 600 से अधिक विमानों के साथ एक वैश्विक वाहक बनने की महत्वाकांक्षा के साथ इंडिगो न केवल चौड़ी बॉडी के विमानों के संचालन पर ध्यान दे रही है, बल्कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के गंतव्यों तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए अपनी साझेदारियां भी बढ़ा रही है। मार्च 2026 के अंत तक इंडिगो किराए के बोइंग 787 विमानों के साथ 10 नए विदेशी शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है।

पेरिस में तीन जून को WTO की बैठक; कृषि-मत्स्य पालन और निवेश सुविधा के मुद्दे उठाएगा भारत

नई दिल्ली। पेरिस में तीन जून को व्यापार मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भारत कृषि, मत्स्यपालन समझौते, चीन के नेतृत्व वाले निवेश प्रस्ताव और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की निष्क्रिय अपीलीय निकाय से जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंताओं को सामने रखेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह अनौपचारिक बैठक आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्री परिषद की बैठक के इतर होगी। इसमें करीब 25 देशों के व्यापार मंत्री भाग लेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह 1 जून से फ्रांस और इटली के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। अधिकारी ने बताया कि भारत इस बैठक में डब्ल्यूटीओ के सभी प्रमुख मुद्दों पर अपनी चिंताओं को उठाएगा, जिसमें कृषि (सार्वजनिक भंडारण का स्थायी समाधान ढूंढना), मत्स्यपालन समझौता, निवेश सुविधा से जुड़ा प्रस्ताव, विश्व व्यापार संगठन में सुधार और डब्ल्यटीओ की जिनेवा स्थित अपीलीय संस्था की निष्क्रियता के मुद्दे शामिल हैं।

दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती, सीएनजी पर हो सकता है असर

नई दिल्ली। सरकार ने दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती की है। इस प्राकृतिक गैस से ही वाहनों के लिए सीएनजी और खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस बनाई जाती है। सरकार ने प्राकृतिक गैस की कीमत को 6.75 यूएस डॉलर से घटाकर 6.41 यूएस डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट्स करने का फैसला किया है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल ने यह नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले सरकार ने अप्रैल 2023 में प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करने का नया फार्मूला लागू किया था। इस फार्मूले के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने सुझाया कि लेगेसी फील्ड्स से निकलने वाली गैस, जिसे एपीएम गैस भी कहा जाता है, उसकी हर महीने कीमत तय करने के लिए, हर महीने औसतन कच्चे तेल आयात की कीमत का 10 प्रतिशत, जो न्यूनतम 4 डॉलर और अधिकतम 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू फिक्स किया गया था। इस फार्मूले के लागू होने के बाद से अब तक कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अब सरकार ने इसमें 0.25 यूएस डॉलर की सालाना कटौती करने का फैसला किया है।

अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का करेंगे निवेश : गौतम अदाणी

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कंपनी के मजबूत बैलेंस शीट और वृद्धि का हवाला देते हुए यह बात कही है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में, अरबपति उद्योगपति ने कहा, 'लगातार अधिग्रहण और गहन जांच का सामना करने के बावजूद, अदाणी समूह कभी पीछे नहीं हटा। इसके बजाय अपनी रणनीति में बदलाव किया और अधिक लचीला, दुर्जेय तथा अटूट बनकर उभरा।' गौतम अदाणी ने लिखा, 'कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और निरंतर जांच के बावजूद - हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय - हमने अपने अंदर बदलाव किए। हमने फिर से कल्पना की। और, हम बन गए हैं - अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले।'उन्होंने कहा, 'हमारा विश्वास स्पष्टता पर

आधारित है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हैं। हमारी ताकत उस विश्वास से आती है, जो आप, हमारे शेयरधारक, हम पर रखते हैं।' उन्होंने कहा कि 'हर चुनौती हमारे संकल्प को मजबूत करती है। हर बाधा एक सीढ़ी बन जाती है।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा गूंजती है। लेकिन, हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं और मैं यह भी दोहराना चाहता हूं - जोर देकर - कि हमारा संचालन वैश्विक मानकों का है, हमारे अनुपालन ढांचे मजबूत हैं और हम उनसे समझौता नहीं करते हैं।' बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से लेकर डेटा सेंटर, रक्षा निर्माण और सिटी गैस तक - अदाणी समूह के व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। गौतम अदाणी ने कहा, 'इतिहास को हमें हमारी बैलेंस शीट के आकार के लिए नहीं, बल्कि हमारी रीढ़ की हड्डी की मजबूती के लिए याद रखना चाहिए; न केवल उन बाजारों के लिए जिनमें हमने प्रवेश किया, बल्कि उन तूफानों के लिए भी जिनमें हमने काम किया और मजबूती से उभरे। जब सब कुछ अच्छा हो तो नेतृत्व करना आसान है, लेकिन सच्चा नेतृत्व संकट का सामना करते हुए ही बनता है। उन्होंने कहा, 'ये आंकड़े अपनी दिलचस्प कहानी बयां करते हैं - रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ के एक साल में - गहरी सच्चाई यह है कि ये मील के पत्थर हमारी अथक ताकत और दृढ़ता के प्रतिबिंब हैं। वे एक ऐसे समूह के सबूत हैं, जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है, उसके पीछे एक ऐसे राष्ट्र की शक्ति है, जो हर सांस में आने वाले हर कल के लिए संभावनाओं का सृजन करता है।'

विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 692.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आारक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 23 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर लुढ़ककर 685.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.5 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 586.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 2.4 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 83.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.1 करोड़ डॉलर के इजाफ़े के साथ 18.6 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में तीन करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले बढ़कर 4.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

जीएसटी कलेक्शनः मई में सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल मई के महीने में जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। हालांकि मासिक आधार पर जीएसटी कलेक्शन में अप्रैल की तुलना में गिरावट आई है।

अप्रैल में देश में जीएसटी कलेक्शन अपने सर्वोच्च स्तर 2.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया था। सरकार द्वारा जीएसटी पोर्टल पर जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल मई के महीने में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,72,739 करोड़ रुपये रहा था, जो इस साल 16.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 2.01 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसमें घरेलू लेनदेन से लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ, जो 13.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। इसी तरह आयात से होने वाला जीएसटी कलेक्शन भी 25.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 51,266 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मई में कुल

सेंट्रल जीएसटी रेवेन्यू 35,434 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह स्टेट जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन 43,902 करोड़ रुपये हुआ। इसके अलावा इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 1.09 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सरचार्ज से 12,879 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का कलेक्शन हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 17 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में औसतन 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अगले सप्ताह सिर्फ 1 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 10 कंपिनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में बहुत मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक नया आईपीओ लांच होने वाला है। यह आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह ओपन हुए एक आईपीओ में भी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह होने वाली लिस्टिंग की बात करें, तो 10 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करेंगी। इनमें से चार कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह नए आईपीओ के रूप में 4 जून को गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 6 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 46 से 49 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 66.63 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 9 जून को होगा। इसके बाद 11 जून को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 30 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले 3बी फिल्म्स के 33.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 3 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.86 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में शेयर का मूल्य 50 रुपये तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। शेयरों का एलॉटमेंट 4 जून को किया जाएगा, जबकि लिस्टिंग 6 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। अगले सप्ताह के दौरान में कुल 10 कंपनियों लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 2 जून को ही लीला होटल्स और एजीज वोपैक टर्मिनल्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार यानी 3 जून को प्रॉस्ट्राम इंफोसिस्टम्स के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन से एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर निकिता पेपर्स और ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स के शेयर लिस्ट होंगे। वहीं, एस्टोनिल लैब्स के शेयर इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। बुधवार 4 जून को स्कोडा ट्यूब्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी दिन एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एनआर वंदना टेक्सटाइल और नेपच्यून पेट्रोकेमिकल्स के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

पीएम मोदी एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से मिले, इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 अरब डॉलर देने का वादा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं। कांडा ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा,÷विकसित

भारत 2047 का विजन साहसिक है और एडीबी इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन कर रहा है। हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता है और एक मजबूत साझेदार है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए फाइनेंस को बढ़ाकर, ज्ञान सहयोग को गहरा करके और पूंजी जुटाकर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने और अपने 1.4 अरब लोगों के लिए समावेशी, लचीला और टिकाऊ विकास प्रदान करने के भारत के अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।÷

एडीबी ने कथित तौर पर जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं।

इससे पहले, एडीबी अध्यक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की, जहां दोनों लीडर्स ने ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने, रूफ टॉप सोलर एनर्जी क्षमता बढ़ाने और यूसीएफ को चालू करने की योजनाओं पर चर्चा की।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.25 प्रतिशत गिरकर 60.79 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 62.61 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

टॉप 10 में शामिल देश की 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण कई महीने बाद एलआईसी देश की टॉप 10 कंपनियों की सूची में शामिल होने में सफल हुई, जबकि आईटीसी टॉप 10 की सूची से बाहर हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 1,01,369.50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 26 मई से 30 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 19,589.54 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,25,036.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 14,084.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 8,462.15 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,89,185.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 17,909.53 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,53,486.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 7,645.85 करोड़ रुपये घट कर 19,22,693.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,061.05 करोड़ रुपये कम होकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,605.81 करोड़ रुपये घट कर 10,31,262.20 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,973.66 करोड़ रुपये कम होकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 656.45 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,220.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोने के भाव में मामूली तेजी, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये से लेकर 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,210 रुपये से लेकर 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो

चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान हुए मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। एक सप्ताह के कारोबार के बाद आज भी चांदी पिछले सप्ताह की कीमत यानी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में नरमी

एजेंसी

इंदौर,। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव ऊपर नीचे हुए। प्रोडक्शन सेंटरों की कमी के साथ मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही, इससे भाव ऊंचे रहे।

मूंगफली तेल 141 से 1430 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1350 से 1370 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1220 से 1225 रुपये पर खुलकर 1160 से 1165 रुपये बिका। पाम तेल 1260 से 1265 रुपये खुलकर 1250 से 1255 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती रही।

केदारनाथ यात्रा : एक महीने में करीब 200 सौ करोड़ का हुआ कारोबार, सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। एक ओर जहां बाबा केदारनाथ के दर्शन को देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा नए रिकॉर्ड कायम कर रहा है वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार बढ़ने के साथ ही यात्रा से बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त हो रहा है। एक महीने में जहां सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए हैं वहीं सरकारी सुविधाओं से लेकर स्थानीय व्यापारियों ने दो अरब से अधिक का कारोबार किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा उत्तराखंड की आस्था और संस्कृति की धुरी बन चुकी है। सरकार का लक्ष्य केवल तीर्थयात्रियों को सुविधाएं देना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं, महिलाओं एवं व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। हम प्रयासरत हैं कि यात्रा सुरक्षित, सुगम और समृद्ध बनाने की दिशा में हर संभव कदम उठाएं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले एक महीने का समय पूर्ण हो चुका है। (रविवार) 01 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 07 लाख पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकला जाए तो प्रतिदिन 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिलिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े-खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि 31 मई तक 1,39,444 श्रद्धालु घोड़े-खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिसके माध्यम से 40 करोड़ 50 लाख से अधिक की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संक्रामक बीमारी इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा-खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा। जिला पर्यटन अधिकारी और नोडल हेली सेवा राहुल चौबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 31 मई तक लगभग 33000 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जिससे करीब 35 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि हेली बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट से ही बुकिंग की जाए। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7000 से अधिक डंडी-कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 31 मई तक 29275 श्रद्धालु डंडी-कंडी के माध्यम से यात्रा कर चुके हैं, जिससे एक करोड़, 16 लाख, 89 हजार 100 रुपये की आय प्राप्त हुई है। वहीं गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 2,26,000 रुपये का चालन कर अर्थदंड भी वसूला गया है। टैक्सी संचालन से करीब 07 करोड़ अर्जित-सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं। इन्हीं गाड़ियों में श्रद्धालु सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक पहुंचते हैं। अब तक सात लाख से अधिक श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। हर यात्री को 50 रुपये जाने एवं 50 रुपये वापस सोनप्रयाग आने के चुकाने पड़ते हैं।

घर से चीटियां जाने का नाम नहीं ले रही है, इन तरीकों को अपनाएं

बरसात के मौसम में घर पर कीड़े और चीटियां आ जाती हैं. कई बार कोई मीठी चीज को खुले में रखने से उनमें चीटियां लग जाती है. फिर वो चीजें खाने लायक नहीं रहती है. तो ऐसे में आप भी चीटियों से परेशान हो गए हैं और इन्हें घर से भगाने के लिए कोई उपाय ढूढ़ रहे हैं तो आप कुछ घरेलू नुस्खों को ट्राई कर सकते हैं.

गर्मी के मौसम में घर में चीटियों का आतंक बढ़ जाता है. वहीं बात करें बारिश के मौसम की तो घर में चीटियां और दिखाई देने लगती हैं. चीटियां घर में रखे सामान जैसे रोटी या फिर किसी मीठी चीज पर लग जाती है और उसे खराब कर देती है. कई बार तो डिब्बे बंद खाने से लेकर कपड़ों या बिस्तर तक में ये देखने को मिल जाती है. ये चीटियां घर के सामान को नुकसान पहुंचाने के साथ ही काट भी लेती हैं, जिससे शरीर पर खुजली और रेशेज हो जाते हैं.

अक्सर लोग चीटियों को घर से भगाने के लिए बाजार में मिलने वाली कीटनाशक दवाईयों का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन कई बार ये भी बेअर हो जाते हैं. ऐसे में अगर आप भी चीटियों को भगाने के लिए कोई कारगार तरीका ढूंढ रहे हैं. तो ये आर्टिकल आपके लिए है. इस आर्टिकल में जानिए कि कैसे आप घरेलू नुस्खों को अपनाकर चीटियों को भगा सकते हैं.

चीटियों से कैसे पाएं छुटकारा

नींबू का रस है काम की चीज

चीटियों को भगाने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके लिए पहले पानी को गर्म कर ले फिर इसमें नींबू का रस निचोड़ दे. अब इसे स्प्रे बोतल में भर लें और जिस जगह चीटियां दिख रही हो वहां पर इस पानी को छिड़क दें. कुछ देर बाद चीटियां नजर आना बंद हो जाएंगी.

नमक का करें इस्तेमाल

चीटियों को भगाने के लिए सबसे आसान घरेलू नुस्खा है कि जहां पर चीटियां नजर आ रही हो वहां पर नमक को छिड़क दे. आप चाहें तो नमक वाला पानी बनाकर भी छिड़क सकते हैं इससे चीटियां आसानी से मर जाती हैं.

काली मिर्च से भगाएं चीटियां

चीटियों को भगाने का सबसे असरदार नुस्खा है कि आप काली मिर्च का इस्तेमाल करें. चीटियों को काली मिर्च की स्मेल बिल्कुल पसंद नहीं होती है इसलिए आप काली मिर्च पाउडर को छिड़क कर चीटियों को घर के बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं.

सफेद सिरके आएगा काम

आपके किचन में मौजूद सफेद सिरके का इस्तेमाल करके आसानी से चीटियों को भगाया जा सकता है. इसके लिए आप सिरके और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर स्प्रे बॉटल में भर लें. जहां-जहां आपको चीटियां दिख रही हो वहां पर इस पानी को छिड़के इससे आसानी से चीटियां भाग जाती हैं.

कॉफी से भाग जाएंगी चीटियां

कॉफी का इस्तेमाल चीटियों को भगाने के लिए किया जाता है. हां, ये सुनने में अजीब लग रहा है. पर ये सच में चीटियों को भगाने का असरदार तरीका है. इसके लिए कॉफी को चीटियों के ऊपर डालें या कॉफी में पानी मिलाकर उसे डाल दें. ये दोनों ही तरीकों से आप चीटियों को भगा सकते हैं.

एमएसपी घोषणा सकारात्मक पहल तो चाकचोबंद खरीद व्यवस्था भी जरुरी

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है। किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम् मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है। राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरु होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहानें टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है। इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए। सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है।न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे ताकि इस समस्या का समाधान खोजा जा सके और अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा पैसा मिल सके। देर सबेर सरकार को खरीद को सीमा में बांधने के स्थान पर स्थाई हल खोजना होगा ताकि एमएसपी व्यवस्था और अधिक किसान हितेषी हो सकें।

संपादकीय

महंगी पड़ेगी सुस्ती

निस्संदेह, राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घेरलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे।

राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। साथ ही सार्वजनिक-निजी उत्पादन का संतुलन धीरे-धीरे पक्ष में जा रहा है। वहीं आईडीईएक्स जैसी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब निजी क्षेत्र कुल रक्षा उत्पादन में 21 फीसदी का योगदान दे रहा है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लि निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.9 फीसदी ही है। निश्चित रूप से जब तक इस वित्ती संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, त तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्ष नहीं हो पाएंगे। निस्संदेह, देश के रक्षा क्षेत्र के ती सार्वजनिक उपक्रमों यानी डीपीएसयू को 'मिनी रत्न घोषित करना स्वागत योग्य कदम है। लेकिन वायुसे प्रमुख की चेतावनी को रक्षा खरीद पारिस्थितिकी तंत्र आमूल-चूल परिवर्तन के लिये आग्रह के रूप में देख जाना चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय सीमा पारदर्शिता, अनुबंधों के सख्ती से क्रियान्वयन औ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रबंधन में गुणवत्ता क प्राथमिकता दी जाए। निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता के भारत के संकल्प को विलंबित नह किया जा सकता। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उपक्रमों को गत देने की आवश्यकता है। इसमें लेट-लतीफी की को जगह नहीं हो सकती।

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा। अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमली जामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी।

ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है। दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें प्रमुखतः कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेड़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है। हांलाकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है। नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमशः है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडु के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रिका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है।

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा। हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारें अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यइ सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

दूसरी इंडस्ट्री में कैसे मिलेगी जॉब?

अगर आप बॉस या कंपनी से तंग आ चुके हैं, तो जॉब चेंज कर सकते हैं। हालांकि, अगर जॉब प्रोफाइल शानदार है और आपको यहां से आगे जाने का रास्ता नहीं सूझ रहा है, तब आप क्या करेंगे? यह नए सेक्टर में स्विच करने की वजह हो सकती है। अगर आपकी इंडस्ट्री (जिससे आप जुड़े हैं) खराब दौर से गुजर रही है, रेवेन्यू घट रहा है, लोगों की छंटनी हो रही है और एंप्लॉयी ग्रोथ की कोई गुंजाइश नहीं है, तो भी आप दूसरे सेक्टर में स्विच कर सकते हैं।

आप कहां जाएंगे?

टारगेट इंडस्ट्री की पहचान करना पहला कदम होगा। कुछ बातों के आधार पर आप संभावित इंडस्ट्री को शॉर्टलिस्ट कर सकते हैं। पहला, किस इंडस्ट्री ने आपकी इंडस्ट्री या मौजूदा फर्म से प्रफेशनल्स हायर किए हैं। दूसरा, किस इंडस्ट्रीज में उन की वर्ड्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके मौजूदा रोल या रिस्पॉन्सिबिलिटी से मेल खाता है। तीसरा, आपकी कंपनी के वेंडर्स दूसरी किस इंडस्ट्री के साथ कम करते हैं। चौथा, मेंटॉर और आपकी इंडस्ट्री के सीनियर प्रफेशनल्स आपको क्या सलाह देते हैं?

कहां मिलेगा पैसा?

एक या दो इंडस्ट्री को सेलेक्ट करने के बाद उन्हें समझने की कोशिश करें। इनके कस्टमर्स कौन हैं? रेवेन्यू कहां से आता है? एनवायरमेंट या मार्केट प्लेस में आए बदलाव का कितना असर इंडस्ट्री की कंपनियों पर पड़ेगा? इस इंडस्ट्री के डिफरेंट कॉम्पिटिटर्स एक-दूसरे से किस तरह से अलग हैं और पैसा कमाने में वे इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं?

आप क्या बेच रहे हैं?

आप एक प्रॉडक्ट हैं, जिसे बेचा जाना है। आप चाहते हैं कि आपका नया कस्टमर-यानी टारगेट इंडस्ट्री आपकी स्किल और काबिलियत देखे। इसके लिए आपको नए सेक्टर की जरूरतों को ध्यान में रखकर नए सिरे से रिज्यूमे बनाना होगा। ऐसा करते समय मौजूदा इंडस्ट्री से जुड़े की वर्ड्स और टर्म्स का इस्तेमाल न करें। आप जिस स्किल या अचीवमेंट को दिखाना चाहते हैं, उसे अलग स्टाइल में लिखें और ऐसे वाक्य का इस्तेमाल करें, जो असर डालने वाले हों।

क्या आप क्या जानते हैं?

अब इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से कनेक्ट करें। ट्रेड शो, कॉन्फ्रेंस और प्रफेशनल्स नेटवर्किंग साइट्स एंड कम्यूनिटीज शुरुआत करने के लिए अच्छी जगहें हैं। जहां मुमकिन हो, अपने संपर्क से मिलें और वर्क प्रोफाइल को समझने की कोशिश करें।

कैसे बढ़ाए कदम?

बेहतर रिजल्ट के लिए अपने गोल की तरफ छोटे-छोटे कदम बढ़ाएं। फैमिली और दोस्तों का सपोर्ट हासिल करने के लिए उन्हें यकीन दिलाएं। यह पक्का करें कि आपने एक ही ऑप्शन तक खुद को सीमित नहीं रखा है। मल्टिपल रोल के लिए अप्लाई करें।

मौकों से भरपूर करियर फिल्ड है

रेडियोग्राफी

किसी भी बीमारी के सफल इलाज के लिए पहले बीमारी की पहचान बेहद जरूरी है. बीमारी की पहचान सिर्फ रोगी के लक्षणों के आधार पर नहीं की जा सकती बल्कि इसके लिए कुछ खास किस्म के शारीरिक परीक्षण भी कराये जाते हैं. ज्यादातर परीक्षण शरीर के अंदरूनी हिस्सों के ही होते हैं. इस किस्म के परीक्षणों को रेडियोग्राफी कहा जाता है. रेडियोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में करियर बनाकर मेडिकल सिस्टम का विशेष हिस्सा बना जा सकता है. रेडियोग्राफी के जरिये शरीर के अंदरूनी हिस्से की जांच की जाती है. इससे मालूम किया जा सकता है कि रोगी के किस हिस्से में कौन-सी बीमारी है. रेडियोग्राफी के अंतर्गत एक्स-रे, फ्लोरोस्कॉपी, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, एंजियोग्राफी और पोसोट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी जैसे टेस्ट आते हैं. रेडियोग्राफी के अंतर्गत शरीर के किसी भी हिस्से की थ्री डायमेंशनल इमेज बनायी जाती है. इस इमेज को देखकर ही डॉक्टर यह पता लगाते हैं कि परेशानी की वजह क्या है. शरीर के भीतर हो रहे बदलावों की सही स्थिति जानने के लिए रेडियो इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. इसे रेडियोग्राफी भी कहते हैं. इस तकनीक के जरिये न सिर्फ शरीर की अंदरूनी व्यवस्था का पता लगाया जाता है बल्कि कैंसर और ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियों का इलाज भी किया जाता है. इन बीमारियों के इलाज के लिए रेडिएशन तकनीक रेडियोग्राफी के अंतर्गत आती है.

रेडियोग्राफी के क्षेत्र को मुख्यत- दो भागों में विभाजित किया गया है- पहला डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और दूसरा थेराप्यूटिक रेडियो ग्राफी. डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी मरीज को परीक्षण की प्रक्रिया समझाता है. साथ ही, उसे परीक्षण के लिए तैयार भी करता है. मशीन को किस तरह ऑपरेट करना है, इसकी जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. तमाम उपकरणों और रिकॉर्ड के मेंटीनेंस की जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. यह फिजीशियन और सर्जन को असिस्ट करने का काम भी करता है.

इसके विपरीत थे राप्यूटिक रेडियोग्राफी का इस्तेमाल बीमारियों के इलाज और कुछ जटिल बीमारियों को जड़ से खत्म करने में हो रहा है. ट्यूमर के इलाज में थेराप्यूटिक रेडियोग्राफी के अंतर्गत इस्तेमाल किया जाने वाला रेडिएशन बेहद नियंत्रित अवस्था में होता है. रेडिएशन की नियत मात्रा से ही ट्यूमर को छोटा किया जाता है. इस क्षेत्र में ऐसे कुशल लोगों की आवश्यकता रहती है, जो रेडियोग्राफी के अंतर्गत आने वाले रेडिएशन को न सिर्फ नियंत्रित कर सकें बल्कि उन्हें यह भी मालूम हो कि किस बीमारी के इलाज के लिए किस स्तर के रेडिएशन की जरूरत होती है. तकनीक के विकास के साथ रेडियोग्राफी का भी विकास होता जा रहा है.

इन दिनों रेडियोग्राफी के जितने भी उपकरण उपलब्ध हैं, वह पहले की तुलना में कहीं ज्यादा तकनीकी रूप से उन्नत हैं. आने वाले समय में इन उपकरणों की तकनीक में बड़े स्तर के फेरबदल होंगे, इस बात की पूरी संभावना है. ऐसे में, रेडियोग्राफी के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं उपलब्ध हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए सबसे जरूरी यह है कि उनमें असीम धैर्य हो. तरह-तरह के मरीजों को इस बात का विश्वास दिलाना कि परीक्षण या इलाज के दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी और वह सुरक्षित मशीन से बाहर निकल आएंगे. एक सफल रेडियोग्राफर वही हो ता है, जो अपनी दिमागी क्षमता और मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर मरीज को बिना किसी हिचक के परीक्षण के लिए तैयार कर ले. परीक्षण भले ही दर्दनाक क्यों न हो, लेकिन रेडियोग्राफर मरीज को इस तरह समझाये कि मरीज रेडियोग्राफर पर पूरी तरह भरोसा करने लगे. इसके अलावा, रेडियोग्राफर में नई तकनीक के प्रति दिलचस्पी भी होनी चाहिए.

योग्यता - इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों को बायोलॉजी, फिजियोलॉजी में विशेष रुचि होनी चहिए. रेडियोग्राफी से जुड़े कोर्स स्नातक स्तर से शुरू होते हैं. रेडियो ग्राफी का एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध है. कुछ संस्थान डिप्लोमा इन डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और रेडियोथैरेपी का कोर्स भी कराते हैं. यह कोर्स दो साल की अवधि का होता है. इसके अलावा, डिग्री कोर्स के रूप में बीएससी इन रेडियोग्राफी, बीएससी इन मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी में दाखिला लिया जा सकता है. तीन साल के स्नातक स्तर के कोर्स के लिए छात्र का 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना जरूरी है. 12वीं में मैथमैटिक्स, फिजिक्स और केमेस्ट्री विषय होने चाहिए.

संस्थान - ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल मैने जमेंट एंड अप्लाइड साइंसेज, चेन्नई असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर चेन्नई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर कॉलेज ऑफ एडवांस स्टडीज, चिपलम, महाराष्ट्र दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दरभंगा, बिहार डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, बीदर, कर्नाटक

कॉस्मेटिक सर्जन की तेजी से बढ़ रही मांग

आज के दौर में खूबसूरत दिखने के लिए लोग कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि कॉस्मेटिक सर्जन की मांग बढ़ रही है.

इन दिनों हर क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड कैंडिडेट्स यानी विशेषज्ञता हासिल कर चुके लोगों की मांग है. इसलिए बेहतर होगा कि पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्षेत्र को चुनें ताकि आगे बढ़ने के अवसर हमेशा मिलते रहें.

यदि आप मेडिकल के प्रोफेशन में आना चाहते हैं तो कॉस्मेटिक सर्जरी का क्षेत्र नए विकल्प के रूप में आपके लिए तैयार है. यदि रुचि हो तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकते हैं.

बढ़ती मांग - अपने नैन-नक्श के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण आज देश की बड़ी आबादी कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा ले रही है. इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के अलावा, मध्यवर्गीय लोग भी खूबसूरत दिखने की चाहत में कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि आज इस क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं देखी जा रही हैं. वास्तव में, कॉस्मेटिक सर्जरी करवाना आज स्टेटस सिंबल बन चुका है. भारत में मुंबई और गोवा ऐसे शहर हैं, जहां बड़ी तादाद में भारतीय व विदेशी, दोनों कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए पहुंचते हैं. कॉस्मेटिक सर्जरी के क्षेत्र में दिल्ली भी पीछे नहीं है. अन्य हॉस्पिटल उद्योग की तरह यह क्षेत्र भी अब सेवा उद्योग बन चुका है. विशेषज्ञों की मानें तो कॉस्मेटिक सर्जरी का बाजार आज 30 से 40 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है, जबकि आज महज दो हजार से भी कम कॉस्मेटिक सर्जन हैं.

राहत भरा प्रोफेशन - विशेषज्ञों के मुताबिक, आमतौर पर जिस प्रोफेशन में अच्छा पैसा होता है, उसमें भागदौड़ बहुत ज्यादा होती है, लेकिन इस प्रोफेशन में ऐसी बातें नहीं हैं. एक कॉस्मेटिक सर्जन कुछ महीनों की प्रैक्टिस के बाद एक से सवा लाख रुपये प्रतिमाह तक कमा सकता है. प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की कमाई का तो अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल.

पहला पायदान है एमबीबीएस - कॉस्मेटिक सर्जन बनने की पहली सीढ़ी है एमबीबीएस का कोर्स. इसके बाद आपको मास्टर ऑफ सर्जरी या एमएस की डिग्री लेनी होगी. फिर प्लास्टिक सर्जरी में तीन साल एमसीएच या डीएनबी का कोर्स करना होगा. अब आप कॉस्मेटिक सर्जरी में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं. गौरतलब है कि कॉस्मेटिक सर्जरी की स्पेशल ट्रेनिंग के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी फेलोशिप हासिल करनी होती है. ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, स्पेन, बेल्जियम, ब्रिटेन, कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको और वेनेजुएला जैसे देशों से यह फेलोशिप पूरी की जा सकती है. सामान्य डॉक्टरी पेशे की तरह इमरजेंसी कॉल्स व रात में हॉस्पिटल के चक्कर लगाने की समस्या से भी कॉस्मेटिक सर्जन मुक्त होते हैं. कुल मिलाकर, यह काफी राहत भरा प्रोफेशन है.

शिक्षण संस्थान - कॉस्मेटिक सर्जन की पढ़ाई के लिए अच्छे इंस्टीट्यूट में ही दाखिला लेना चाहिए. इस क्रम में दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग हॉस्पिटल, मुंबई स्थित ग्रांट मेडिकल कॉलेज और नायर मेडिकल कॉलेज सहित एसएमएस हैदराबाद व स्टैनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई जैसे कुछ नाम शामिल हैं.

नए युग का आगाज - कॉस्मेटिक सर्जरी में लेजर, स्लिम लिपो जैसी नई तकनीक व उपकरणों का प्रयोग होने के कारण नए युग का आरंभ हुआ है. ऐसे मॉडर्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से कॉस्मेटिक सर्जन अपने क्लाइंट्स की हर छोटी-बड़ी ख्वाहिश आसानी से पूरी कर रहे हैं. चूंकि इसके तहत एक नियत समय में शरीर के किसी खास हिस्से की मरम्मत या उसका रूपांतरण किया जाता है, इसलिए एक बड़े हिस्से में इसका क्रेज देखा जा सकता है. लिपोसक्शन, हेयर ट्रांसप्लांट, बोटोक्स, पेट की चर्बी घटाने जैसी प्रक्रियाएं कॉस्मेटिक सर्जरी के दायरे में आती है. अपने बेहतर लुक के लिए या खुद को जवां दिखाने के लिए अकसर फिल्मी सितारों के कॉस्मेटिक सर्जरी कराने या फिर बोटोक्स जैसी तकनीक अपनाने की बातें सुनने में आती हैं. अपने होंठों को खूबसूरत दिखाने के लिए उनकी सर्जरी करा चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को इसमें कोई बुराई नजर नहीं आती. वह कहती हैं कि बॉलीवुड में टॉप पर बने रहने के लिए बेहतर और खूबसूरत दिखना बेहद जरूरी है. मेरे प्रशंसक मुझे हमेशा अच्छा देखना चाहते हैं. उनकी उम्मीदों का मुझ पर भारी दबाव रहता है. ऐसे में, यदि मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी करानी भी पड़ती है तो इसमें बुरा क्या है? अगर किसी को लगता है कि कॉस्मेटिक सर्जरी कराने से वह और बेहतर दिख सकता है और उसके आत्मविश्वास में इजाफा हो सकता है तो सर्जरी कराने में मुझे तो कोई बुराई नजर नहीं आती.

फॉरेन लैंग्वेज सीखिए

और बनाइए अपना बेहतरीन कैरियर

फॉरेन लैंग्वेज के जानकार युवाओं के लिए बहुत से करियर ऑप्शंस रहते हैं. आज के युवा खुद को अपडेट करने के लिए अंग्रेजी के साथ फॉरेन लैंग्वेज भी सीख रहे हैं. इन भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्सेस किए जा सकते हैं. जर्मनी, स्पेनिश और चायनीज सभी विदेशी लैंग्वेंज में करियर के अवसर हैं, लेकिन वर्तमान में युवाओं में फ्रेंच भाषा के प्रति ज्यादा लगाव है. करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है. फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री के बाद करियर की असीम संभावनाएं बनती हैं. वैश्वीकरण के कारण फ्रेंच भाषा के पाठ्यक्रमों का महत्व तेजी से बढ़ा है. विदेशी दूतावास, कॉर्पोरेट सेक्टर, फ्रांस की कंपनियां अनुवादक, सरकारी विभागों में फ्रेंच भाषा के जानकार, मीडिया क्षेत्र में आदि में फ्रेंच भाषा में बेहतर करियर के कई उजले अवसर हैं. युवा प्रामाणिक तौर पर भाषा की जानकारी से मल्टीनेशनल कंपनियों में अच्छे पदों पर काम कर सकते हैं.

शैक्षणिक योग्यता- 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद युवा सर्टिफिकेट कोर्सेस से विदेशी भाषाओं को सीख सकते हैं. किए जा सकते हैं डिग्री और डिप्लोमा कोर्स- फ्रेंच भाषा के तीन माह में होने वाले सर्टिफिकेट कोर्स के बाद डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेस भी किए जा सकते हैं.

इन संस्थानों से आप डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर सकते है- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, कोलकाता, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, बेंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरू.

करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है.

गीता अमृत

।। अथ त्रयोदशोऽध्यायः।।
क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोरेवमन्तरं ज्ञानचक्षुषा।
भूतप्रकृतिमोक्षं च ये विदुर्यान्ति ते परम्।। 34।।

बहुत से लोग सांख्य-माध्यम से ध्यान करते हैं, तो शेष निष्काम कर्मयोग, समर्पण के साथ उसकी प्राप्ति के लिए उसी निर्धारित कर्म आराधना का आचरण करते हैं। जो उसकी विधि नहीं जानते, वे तत्त्वस्थित महापुरुष के द्वारा सुनकर आचरण करते हैं। **क्रमशः**

युगन्धर (श्री कृष्ण)

यहाँ तक कि अमात्य विपृथु की इस बात का भी भान नहीं रहा कि वे प्रथा के अनुसार, द्वारिकावासियों को कुछ सन्देश के लिए स्वामी से प्रार्थना करें। वे स्वामी की ओर केवल देखते ही रह गए।

दूर मानसरोवर पर, ठीक सूर्योदय के क्षण जिस प्रकार ब्रह्मकमल की कली खिल उठती है, उसी प्रकार किसी के निवेदन किए बिना ही, हमारे स्वामी आसन से उठ खड़े हुए। इस समय वे बहुत ही कम बोले, परन्तु जो कुछ बोले, वह अविस्मरणीय था।

हाथ जोड़कर उन्होंने सबको प्रणाम किया। और मुक्त मन की प्रासादिक प्रसन्नता उनकी मन्द मुस्कान में खिल उठी, उनके निर्मल गुलाबी होठों के पीछे छिपे हुए कुन्दकलिका जैसे दाँत क्षण-भर चमक उठे। बड़े-बड़ों को जिसमें जीवन का आधार ढूंढने की इच्छा हो, ऐसा उनके कपोलों पर खिलने वाला भँवर क्षण-भर खिलकर फिर विलीन हो गया। उनके नील पद्य जैसे सुन्दरवाणी मुखमण्डल पर कभी-कभार ही दिखने वाली सुनहरी हास्य-छटा बिखर गयी। अपनी मधुर वेणुवाणी में उन्होंने कहा, द्वारिका के मेरे प्रिय बन्धु-भगिनी। केवल इस सम्बोधन से ही अभिभूत हुए सुधर्मा तालियाँ पीटते रहे। पश्चिम सागर के ज्वार की भाँति प्रत्येक के मन में दो बातों का असीम आनन्द लहरा रहा था-एक था द्वारिकाधीश के लौट आने का और दूसरा था, उनके सभी नर-नारियों को प्रिय बन्धु-भगिनी सम्बोधित करने का।

क्रमशः

श्री शिवाजी सावंत के विख्यात उपन्यास से साभार।

खबरें जरा हटके

कूड़े के ढेर में रहता है ये परिवार

फ्रांस के एक फोटोग्राफर ने जकार्ता में रहने वाले कुछ खास लोगों की जिंदगी को तस्वीरों के जरिए दशार्या है। ये अमूक तस्वीरें हैं जो खामोश रहते हुए भी बहुत कुछ कहती हैं। फोटोग्राफर एलेक्जेंडर ने कुछ तस्वीरों के जरिए इंडोनेशिया के एक कूड़े के ढेर में रहने वाले एक परिवार की दर्दभरी कहानी को सबके सामने रखा है। उन्होंने फोटोज के जरिए उन लोगों की परेशानियों को शेयर किया है। दरअसल ये तस्वीरें जकार्ता से करीब 12 मील दूर स्थित ह्यआईलैंड ऑफ जावाह्ल की हैं जहां एक बहुत बड़े कूड़े के ढेर में करीब 3000 से ज्यादा लोग बसे हुए हैं। इन तस्वीरों के देखने के बाद आप भी उनके दर्द का बड़ा हिस्सा बन जाएंगे। इस गंदी जगह पर ये लोग अपनी झुग्गी डाल कर कई सालों से रह रहे हैं। इनमें से तो कई लोग पैदा ही इस कूड़े के ढेर में हुए हैं। इनका कोई घर नहीं है, कूड़े और दलदल के बीच में रहना ही इनकी जिंदगी बन गई है।

दुनिया का अनोखा बॉर्डर, यहां वॉलीबाल खेलने आते है लोग

भारत की सीमा कई देशों से जुड़ी है। जहां पाकिस्तान और भारत के बॉर्डर पर हमेशा फौज दिखाई देती है, वहीं दुनियाभर में कुछ ऐसे देश भी है, जहां के बॉर्डर पर न कोई फौज दिखाई देती है और न ही कोई सुरक्षा का इंतजाम है। इसके बावजूद भी इन देशों में इतनी शांति और सुकून से लोग अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। ये बॉर्डर है अमेरिका और मेक्सिको के बीच जिसे दुनिया का सबसे सुरक्षित बॉर्डर माना जाता है। दरअसल, दोनों देशों के बीच आज तक सीमा को लेकर कोई विवाद सामने नहीं आया, जिसकी वजह से इस बॉर्डर पर सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं है।

न्यूज रील

बजरंगी के बाद इस फिल्म के लिए लक्ष्मण बने सलमान खान

बजरंगी के बाद इस फिल्म के लिए लक्ष्मण बने सलमान खान, सलमान खान को आपने देखा बजरंगी के रूप में अब देखिएगा लक्ष्मण के रूप में! सिल्वर स्क्रीन सलमान एक के बाद एक अपना जलवा दिखाते जा रहे हैं, पहले बजरंगी बन कर और अब लक्ष्मण बन कर। आपको बता दें कि अपनी आने वाली फिल्म में सलमान के किरदार का नाम होगा लक्ष्मण। हम बता कर रहे हैं इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म ट्यूबलाइट की। सलमान खान की ट्यूबलाइट धीरे-धीरे जल रही है और यह पूरी तरह जल जाएगी जब इसका टीजर रिलीज होगा, तीन दिन बाद। और सलमान इसकी तैयारी पूरी तरह कर रहे हैं, रोज इस फिल्म से जुड़ा एक पोस्टर रिलीज करते हुए सलमान फैन्स को इसके लिए और ज्यादा एक्साइट कर रहे हैं। क्यूंकि अब ट्यूबलाइट के टीजर को तीन ही दिन बाकी है, सलमान ने शेयर किया है इसका एक और पोस्टर जिसमें वो फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे मेटिन रे तांगु भी दिखाई दे रहे हैं। इस छोटे और क्यूट बच्चे के साथ पहले भी सलमान में अपनी तस्वीर शेयर की थी जो की वायरल हो गई थी। सलमान ने यह पोस्टर शेयर करते हुए ट्वीट किया और लिखा, ह्यवहीं फिल्म के डायरेक्टर कबीर खान ने यह पोस्टर शेयर किया और रिविल किया इस फिल्म सलमान का नाम - लक्ष्मण !ट्यूबलाइट इस साल ईद पर रिलीज होगी जिसमें सलमान के साथ चायनीज एक्ट्रेस जु जु भी दिखाई देंगी और शाह रुख खान भी इस फिल्म में केमियो कर रहे हैं।

अपना ब्लॉग

जलन बुरी नहीं, जलना बुरा है

कोमिका माथुर

मैं कॉलेज में थी, पीजी डिप्लोमा कर रही थी। क्लास में एक लड़की पढ़ाई के मामले हम सबसे कहीं तेज और मेधावी थी। लेकिन यही कोई दो–तीन महीने बाद धीरे–धीरे वह सबसे कटने लगी। इतना कि अपनी बहुत अच्छी दोस्त तक से उसने बात करनी बंद कर दी। उस दोस्त से जो भी बात करता, उससे भी वह बात करना बंद कर देती थी। इस दौरान उसकी ऐकडेमिक परफॉर्मेंस भी काफी गिर गई। कई–कई दिन तक क्लास में नहीं आती थी,आती तो चुपचाप एक कोने में बैठी रहती। बात करो तो चिड़चिड़ाने लगती। वो जितना पीछे जा रही थी, उसकी दोस्त उतनी ही आगे बढ़ रही थी। पढ़ाई में भी, टीचर्स और स्टूडेंट्स के बीच लोकप्रियता में भी।

कुछ था जो भीतर ही भीतर उसे खा रहा था। जानते हैं क्या ? जलनज। हां, वो जलन ही थी। वहक्लास में सबसे अच्छी थी लेकिन स्मार्ट और बातचीत में तेज होने की वजह से अटेंशन उसकी दोस्त को मिलता था। यही बात अंदर ही अंदर उसे खाती रहती थी। बाद में उसे खुद भी अहसास हुआ, पर तब तक देर हो चुकी थी।

जलन असल में उस चोर की तरह है जो चुपके से, बिन बताए मन में घुस जाती है और भीतर कुंडी लगाकर बैठ जाती है। आप बेशक बाहर कितना ही पहरा लगा कर बैठे हों, एक बार इस चोर के मन में घुस जाने के बाद आप कुछ नहीं कर सकते। वह आपको अंदर से खोखला कर देता है। जलन वो जज़्बात है जो किसी पैकेज डील की तरह हमें मिलता है और इसके साथ आते हैं डर, दुख, गुस्सा जैसे तमाम दूसरे जज़्बात। व्यक्तित्व को बनाने–बिगाड़ने में इनका बड़ा हाथ होता है। कभी कोई जज़्बात हम पर हावी होता है तो कभी कोई। इनकी लगाम अपने हाथ में रखना जरूरी होता है। जलन भी ऐसा ही जज़्बात है जिसकी चौकीदारी करते रहना जरूरी है। चौकीदारी नहीं की तो यह सबसे ज्यादा नुकसान जलने वाले का ही करती है।

जलन बुरी नहीं, बशर्ते आप इसे दुश्मन के बजाय दोस्त बना लें। यह आपके लिए एक आईने की तरह होती है। देखना चाहें तो यह हमें हमारा वह भीतरी चेहरा दिखा सकती है जो अक्सर हम देख नहीं पाते। यह हमें बता सकती है कि कौन सी चीजें, रिश्ते या बातें कद्र करने लायक हैं लेकिन यह संकेत तभी मिल पाता है जब आप चौकन्ने हों, अपने जज़्बात पढ़ना जानते हों, अपने स्याह पक्ष को देख आंखें न मूंद लेते हों। तब आप डिप्रेस होकर उनसे दूर नहीं जाते, उनके करीब रहने की, उन्हें पाने की कोशिश में जुट जाते हैं। मसलन, वो लड़की शायद जलने के बजाय अपनी पर्सनैलिटी और कम्यूनिकेशन स्किल को निखारने की कोशिश कर सकती थी। जलन के साथ असली मुश्किल इसमें नहीं कि आप उसे कैसे महसूस करते हैं, मुश्किल इसमें है कि आप उसके बाद कैसे रीऐक्ट करते हैं।

जलन को कमजोरी बनाने के बजाय उसे ताकत बना लें तो कुछ रिश्तों की उम्र लंबी हो सकती है, कुछ उपलब्धियां समय पर मिल सकती हैं। जज़्बात कोई भी हो, वह तब तक अच्छा बुरा नहीं होता, जब तक अनियंत्रित न हो। तो जज़्बात को अच्छा बुरा समझना छोड़िए, उन्हें गले लगाइए, जलने का हौसला रखिए। सीखिए, बस जल मत जाइए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

काकुरो पहेली - 4073

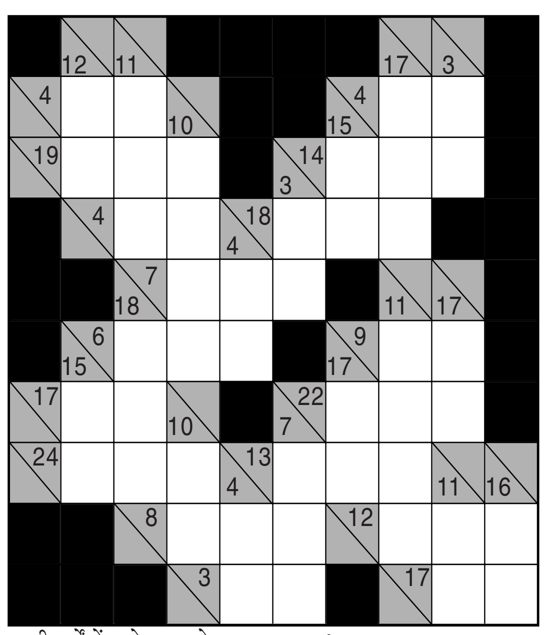

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

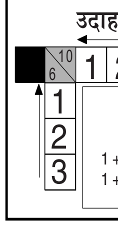

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4072 का हल

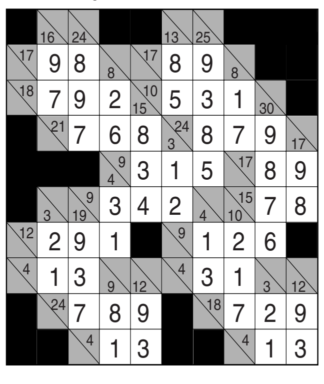

फिल्म वर्ग पहेली - 4073

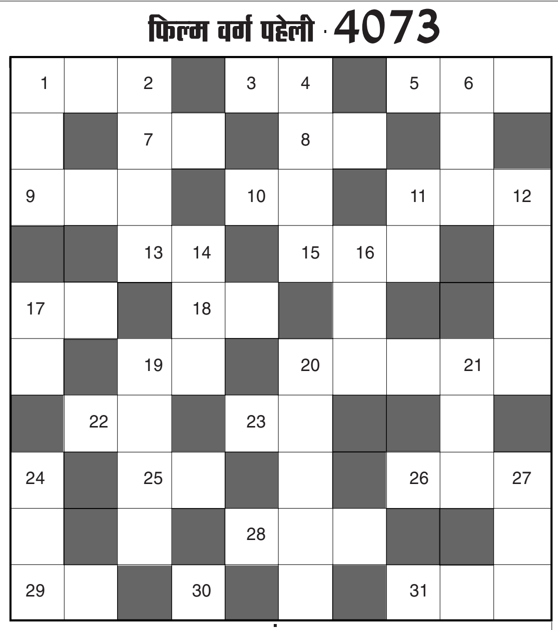

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली -4072

अ	मृ	त		गु	स		दी		घा
क्स		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		टा		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

सूडोकु -4073

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4072 हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली -4073

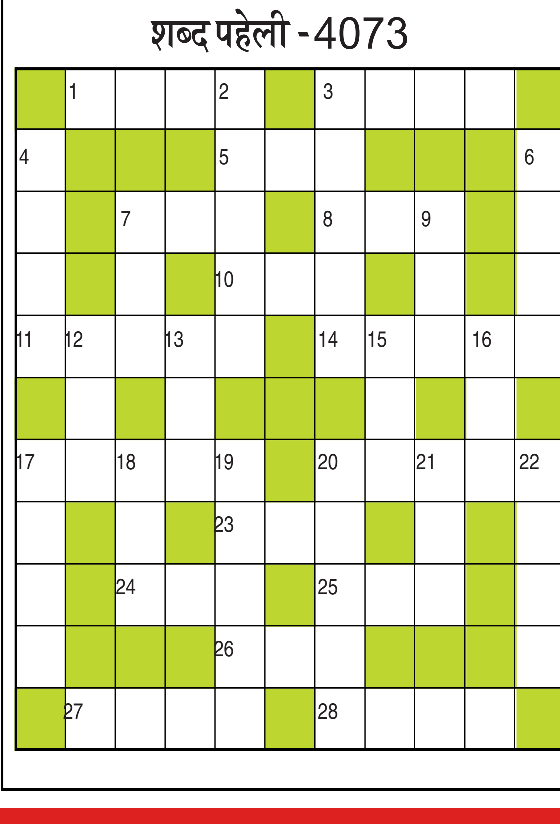

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली 4072 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

अन्नाद्रमुक ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का किया ऐलान

एजेंसी

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी के उप महासचिव के.पी. मुनुसामी और मुख्यालय सचिव एस.पी. वेलुमणि ने चेन्नई के रोयापेट्टा स्थित पार्टी मुख्यालय में संयुक्त रूप से यह घोषणा की। अन्नाद्रमुक ने इनबाथुराई और धनपाल को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। इस घोषणा के साथ ही पार्टी ने देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके) के साथ अपने गठबंधन को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।के.पी. मुनुसामी ने बताया कि अन्नाद्रमुक और डीएमडीके के बीच गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद होने वाले राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि डीएमडीके को 2026 में होने वाले राज्यसभा चुनाव में एक सीट आवंटित की जाएगी। इस गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर मुनुसामी ने स्पष्ट किया कि डीएमडीके ने इस व्यवस्था को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा, डीएमडीके द्वारा गठबंधन को स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। यह गठबंधन की मजबूती का प्रतीक है। अन्नाद्रमुक ने अपने लीगल विंग के सचिव इनबाथुराई और चेंगलपट्टू ईस्ट के जिला अध्यक्ष धनपाल को उम्मीदवार बनाया है। दोनों नेताओं को पार्टी के भीतर उनकी निष्ठा और सक्रियता के लिए जाना जाता है।

हेट स्पीच मामले में सजा के बाद अब्बास की सदस्यता खत्म

लखनऊ। हेट स्पीच मामले में सजा के बाद यूपी के मऊ से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म हो गई है। विधानसभा के प्रमुख सचिव ने पत्र जारी कर सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। कोर्ट का आदेश जारी होने के 24 घंटे के अंदर मऊ से लखनऊ फाइल पहुंची। फिर के दिन विधानसभा सचिवालय खोला गया। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने अब्बास की सदस्यता समाप्त कर सीट को रिक्त घोषित करने का आदेश जारी कर दिया। साथ ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उपचुनाव कराने का प्रस्ताव भी भेज दिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने अपने पत्र में कहा कि अब्बास अंसारी जनपद मऊ से 356 विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। फौजदारी मुकदमा थाना कोतवाली जनपद मऊ के प्रकरण में न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट / विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए मऊ द्वारा दोष सिद्ध पाते हुए धारा 171 एफ, आरोप में छह माह के साधारण कारावास की सजा एवं 2,000 के अर्थदंड लगा है।इस आरोप में दो वर्ष के साधारण कारावास की सजा एवं 3,000 के अर्थदंड लगाया गया है।

छत्तीसगढ़ में ईओडब्ल्यू ने दुर्ग जिले में विजय भाटिया और उनके रिश्तेदारों के 5 ठिकानों पर की छापेमारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुबह आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने दुर्ग जिले के भिलाई में विजय भाटिया और उनके रिश्तेदारों के 5 ठिकानों पर दबिश दी है। विजय भाटिया पेशे से कारोबारी हैं और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह छापामार कार्रवाई आबकारी घोटाला मामले में की गई है। भिलाई के नेहरू नगर ईस्ट में विजय भाटिया के दो रिश्तेदारों के घर के साथ भिलाई सेक्टर 06 स्थित विजय के फर्नीचर शोरूम , हथखोज में उनकी फैक्टरी तथा आदर्श नगर में पिता के पैतृक मकान में एजेंसी ने दबिश दी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी माने जाने वाले विजय भाटिया के ठिकानों पर शराब घोटाले से जुड़े मामले में ईडी, एसीबी-ईओडब्ल्यू के अधिकारी तीन बार छापा मार चुके हैं। छत्तीसगढ़ का यह बहुचर्चित शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच राज्य की सरकारी शराब दुकानों से अवैध तरीके से शराब बेचने से जुड़ा है। इस घोटाले में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की बात कही गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर संजय राऊत का विवादित बयान, भाजपा को बताया 'जेहाद' फैलाने वाली पाटी

मालेगांव। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने कई तीखे और विवादित बयान देकर सियासी हलचल तेज कर दी। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि इस देश में अगर कोई जेहाद कर रहा है, तो वह भाजपा है। मालेगांव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राऊत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'अब घर-घर में सिंदूर लेकर जा रहे हैं। ये 'वन हसबैंड, वन सिंदूर' का नया प्रोग्राम है क्या? सुंदर पति देता है सिंदूर, कोई बाहर का नहीं देता। ये कौन सा जेहाद है आपका?' उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा, कौन किसका हसबैंड है, इस पर भी मीडिया को सवाल करना चाहिए संजय राऊत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब मालेगांव महानगरपालिका चुनाव होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में प्रशासक के जरिए शासन चलाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा, पार्षद और जिला परिषद सदस्य तक नहीं चुनवा पाए। अब उन्हें अपनी जीत की कोई गारंटी नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि मालेगांव का चुनाव जाति, धर्म, गुट और पैसे के खिलाफ लड़ा जाएगा और जल्द ही कोर कमेटी बनाई जाएगी।

विकसित कृषि के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

लखनऊ/मेरठ। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत मेरठ के दबथुआ विकासखण्ड सुरूरपुर में कृषक वैज्ञानिक संवाद में भाग लिया। इस मौके पर केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि बिना विकसित कृषि के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी उद्देश्य से 16 हजार कृषि वैज्ञानिकों को प्रत्यक्ष रूप से अपनी शोध एवं अनुभवों को किसानों के बीच लाने तथा किसानों की समस्या के समाधान केलिए नवीन शोध कार्य का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि यदि मंत्री, सांसद, वैज्ञानिक, कृषि विभाग पूरे देश में एक टीम के साथ काम करें तो देश का उत्पादन भी बढ़ेगा और किसानों की आय भी बढ़ेगी। साथ ही हम

विश्व को भोजन देने में सक्षम भी हो सकेंगे। उन्होंने मेरठ के सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि वे संवाद के माध्यम कृषकों का ज्ञानवर्धन करें। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मेरठ के सांसद अरुण गोविल, बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, विधायक गुलाम मोहम्मद, महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद डॉ. मांगीलाल जाट आदि मौजूद रहे। शाहजहांपुर और सुल्तानपुर में भी किया गया कार्यक्रमजिला सहकारी संघ शाहजहांपुर के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष शाहजहांपुर ने ग्राम नियामतपुर में किसानों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक, कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित हुए और कृषकों से संवाद स्थापित किया। वाराणसी व लखनऊ में भी किया गया संवादवाराणसी में ग्राम-बरीयासनापुर विकास खण्ड चिरईगांव में अपर कृषि निदेशक, भूमि संरक्षण कृषि विभाग डॉ. रमेश मौर्या के साथ ही वैज्ञानिक तथा कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों ने कृषक वैज्ञानिक संवाद में पीएम किसान, फार्मर रजिस्ट्री के साथ कृषि की नवीन तकनीकी पर चर्चा की गई।

श्री राममंदिर का स्वर्ण जड़ित शिखर तैयार, 5 जून को होगी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य अपनी पूर्णता की तरफ अग्रसर है। मंदिर के गर्भ गृह के शिखर कलश पर सोना मढ़ने का कार्य पूरा हो गया है। स्वर्ण जड़ित खूबसूरत शिखर की भव्यता दूर से ही दिखाई देने लगी है। आगामी 3, 4 एवं 5 जून को मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार एवं परकोटे पर स्थित छह अन्य मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। यज्ञशाला को भी दिव्य भव्य बनाया गया है 2 जून को निकलेगी जल कलश यात्रा, तैयारी पूरी आयोजन की शुरुआत 2 जून को मातृ शक्तियों के जल कलश यात्रा के साथ होगी। यह यात्रा अपराह्न 4 बजे सरयू नदी के पुराने आरती स्थल से शुरू होगी और श्रृंगरहाट, हनुमानगढ़ी और दशरथ महल होते हुए राम मंदिर के यज्ञ मंडप पर समाप्त होगी। यह जल कलश यात्रा भक्ति और एकता का प्रतीक होगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। कलश यात्रा के लिए राम नगरी की माताओं एवं बहनों को ट्रस्ट ने आमंत्रित किया है। सभी को पीले रंग या उससे मिलते-जुलते वस्त्र पहन कर आने के लिए कहा गया है। सभी महिलाएं सरयूजी का पुराना आरती स्थल कच्चा घाट से कलश में जल भरेंगी और पूरे भव्यता के साथ रंग महल बैरियर से श्रीराम मंदिर में प्रवेश करेंगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में पूर्वाह्न 11:25 से 11:40 बजे के बीच संपन्न होगा। इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अयोध्या एक बार फिर धार्मिक उत्साह और भक्ति के रंग में रंगने को तैयार है।

असम में बाढ़ संकट के बीच अमित शाह ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में मूसलधार बारिश से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर स्थिति के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि गृह मंत्री ने उन्हें फोन कर हालात की जानकारी ली और सभी जरूरी मदद देने का वादा किया।

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह ने थोड़ी देर पहले मुझे फोन कर असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मैंने उन्हें अब तक की गई तैयारियों से अवगत कराया। हम उनके संवेदनशील रवैये और सहयोग के लिए आभारी हैं। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बेहद खराब हैं। अब तक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 1 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, अबतक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 175 गांव प्रभावित हुए हैं। जिनमें 3 की मौत

बाढ़ में और 5 की भूस्खलन में हुई है। ये मौतें गोलाघाट, लखीमपुर और कामरूप (मेट्रो) जिलों में हुई हैं। गोलाघाट और गुवाहाटी में बच्चों की भी जान गई हैं। सात हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। धेमाजी, दक्षिण सालमारा, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, गोलाघाट और कार्बी आंगलोंग के 175 गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने 16 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 7000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। फसल और पशुधन को भारी नुकसान हुआ है। करीब 791 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। लगभग 76 हजार पशु प्रभावित हुए हैं और 194 पशुओं के बह जाने की जानकारी मिली है। सड़क और अन्य ढांचागत नुकसान भी व्यापक पैमाने पर हुए हैं। 22 सड़कों, एक पुल, कई तटबंधों और सिंचाई नहरों को नुकसान पहुंचा है। स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों की इमारतें भी प्रभावित हुई हैं। गुवाहाटी और अन्य जिलों में शहरी बाढ़ के चलते करीब 10 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवा और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं।

अमृतसर में बीकेआई आतंकवादी माड्यूल का पर्दाफाश, पिस्तौल सहित दो काबू

एजेंसी

चंडीगढ़। अमृतसर पुलिस ने पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के संचालक जीवन फौजी के दो साथियों को गिरफ्तार करके आतंकवादी और जबरन वसूली माड्यूल का पर्दाफाश किया है। डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान तरनतारन के वैरोवाल के कारजप्रीत सिंह उर्फ कारज (23) और तरनतारन के गोविंदवाल साहिब के गुरलाल सिंह उर्फ हरमन (23) के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने उनके पास से .30 बोर के पिस्तौल समेत एक जिंदा कारतूस बरामद करने के इलावा अपराध में इस्तेमाल किया गया मोटरसाइकिल भी ज़ब्त की है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि जीवन फ़ौजी सक्रिय बीकेआई मेंबर है, जो पंजाब के सरहदी जिलों में व्यक्तियों को निशाना बना कर जबरन वसूली का रैकेट चला रहा है। उन्होंने बताया कि जीवन फ़ौजी ने कारजप्रीत और गुरलाल को .30 बोर का पिस्तौल मुहैया करवाया था और उनको अमृतसर क्षेत्र में एक फर्नीचर की दुकान पर गोलीबारी करने का

निर्देश दिया था।

उन्होंने बताया कि यह गोलीबारी जबरन वसूली की कोशिश का हिस्सा था, जिसमें जीवन फ़ौजी ने कैनेडा स्थित दुकान मालिक के रिश्तेदार से फिरौती की मांग की थी। पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए आपरेशन के दौरान दोनों को तरनतारन और फाजिल्का के इलाकों से गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि सुल्तानविंड इलाके में फॉलो-अप रिकवरी आपरेशन के दौरान दोषी गुरलाल सिंह ने छिपाया हुआ हथियार बरामद किया और पुलिस पार्टी पर गोली चलाने की कोशिश की। पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा के तौर पर जवाबी कार्रवाई के दौरान गुरलाल की बांयी टांग में गोली लग गई। उन्होंने कहा कि जख्मी को तुरंत सिवल अस्पताल अमृतसर भेज दिया गया, जहां वह उपचाराधीन है।

भारत की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को मिलेगा करारा जवाबः अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो भी भारत की शांति भंग करने की कोशिश करेगा, उसे करारा जवाब मिलेगा। अमित शाह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर तक जाकर आतंकी अड्डों को नष्ट किया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया लेकिन इस सफलता से ममता दीदी को पेट में दर्द हो गया। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब इस अभियान की सफलता के बाद बंगाल आए तो ममता बनर्जी ने इसका राजनीतिक विरोध करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर

आपत्तिजनक बयान दिया। प्रधानमंत्री के समर्थन की बजाय मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों की भावनाओं से खिलवाड़ किया। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम को 'राजनीतिक' करार दिया था। उनका यह बयान उसी दिन आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने अलीपुरद्वार से एक जनसभा में राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा और हिंदुओं पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर तीखा प्रहार किया था। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि आवंटित नहीं की। उन्होंने दावा किया कि वह अवैध घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं ताकि उनकी सरकार बनी रहे और बाद में उनका भतीजा मुख्यमंत्री बने। अमित शाह ने वादा किया कि अगर वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आती है, तो पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं में शामिल लोगों को खोजकर सजा दिलाई जाएगी। राज्य में प्रशासन के हर स्तर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता इससे लाभान्वित हुए जबकि आम लोग पीड़ित हुए।उन्होंने मुर्शिदाबाद में हुए दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि पहले ही केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई होती, तो हिंदुओं की जान बचाई जा सकती थी। शाह ने यह भी आरोप लगाया कि इन दंगों में तृणमूल के चुने हुए प्रतिनिधियों की संलिप्तता अब साबित हो चुकी है।

जल संचय करने वाले जिलों में मध्य प्रदेश का खंडवा जिला बना देश में नंबर वन

एजेंसी

भोपाल। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्य प्रदेश का मान बढ़ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहां राज्यों की श्रेणी में देश में मध्य प्रदेश चौथे नंबर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से खंडवा के नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. यादव ने कहा है कि पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण अभियान में मध्य प्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी का संचयन करने और पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर हमारे लिए प्रेरणामूर्ति हैंः जगदीप धनखड़

एजेंसी

आगरा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत की वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होलकर हमारे लिए प्रेरणामूर्ति हैं। वह न्यायप्रिय थीं। अहिल्याबाई ने हमारे सांस्कृतिक विरासत के सृजन व संरक्षण का कार्य किया। नारी शक्ति के सशक्तीकरण के लिए अहिल्याबाई ने अपनी सेना में महिलाओं की टुकड़ी बनाई थी। जब औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ के मंदिर को नष्ट किया, उसके सौ साल बाद अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर बनवाया। उप राष्ट्रपति धनखड़ यहां राजकीय इण्टर कालेज मैदान पर अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के तहत आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आज संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके आदर्शों पर चलेंगे।

अहिल्याबाई होलकर ने उस कठिन समय में महान भारत की कल्पना की थी। धर्म संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ और भीमाशंकर आदि अनेक मंदिर बनवाये। उप राष्ट्रपति ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर धनगर थीं, हम धनखड़ हैं। उन्होंने कहा कि जो अहिल्याबाई होलकर ने किया वह यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज कर रहे हैं। आने वाली पीढ़ियां योगी के इस कार्य को उसी तरीके से याद करेंगी, जैसे कि आज लोकमाता अहिल्याबाई को याद कर रहे हैं। मोदी व योगी के नेतृत्व में अयोध्या व काशी में जो काम हुआ है यह काम आसान नहीं था। हमारी संस्कृति का संरक्षण हमारे लिए बहुत अहम है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि हम भारतीय हैं।

भारतीयता हमारी पहचान है। राष्ट्र सर्वोपरि है। भारतीय सेना के पराक्रम को याद दिलाना चाहूंगा। आपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए हम भारतीय सेना का अभिनंदन करता हूं। अब भारत बदल गया है। जो हम पर हाथ डालेगा, उसे पूरी तरह खत्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज यूपी का मतलब है सुशासन। कानून का राज।

हरिद्वार में साध्वी ऋतंभरा के 'वात्सल्य गंगा आश्रय धाम' का लोकार्पण

एजेंसी

हरिद्वार। तीर्थ नगरी हरिद्वार की उपनगरी कनखल में पद्म भूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा के नवनिर्मित 'वात्सल्य गंगा आश्रय धाम' का उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से संतों-महंतों और महामण्डलेश्वरों की उपस्थिति में लोकार्पण किया। वात्सल्य गंगा आश्रम धाम के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता परमहंस स्वामी परमानंद महाराज और संचालन महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज ने किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में साध्वी ऋतंभरा को पद्म भूषण सम्मान मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा की यह पुरस्कार समस्त संत परंपरा और सनातन धर्म का सम्मान है। इससे पूर्व की सरकारें मुंह

देखकर सिफारिश पर सम्मान दिया करती थीं, लेकिन वर्तमान सरकार काम देखकर, व्यक्तित्व देखकर सम्मानित करती है। जिसका यह जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार के 100 दिन पूरे होने के गरिमापूर्ण अवसर पर उन्हें मां गंगा में डुबकी लगाने तथा संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने का शुभ अवसर मिला है, जिसके लिए वह मां गंगा तथा संत समाज और देव भूमि उत्तराखंड की आभारी हैं। मुख्यमंत्री रेखा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए उनसे मार्गदर्शन का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साध्वी ऋतंभरा और समस्त संत समाज के चरणों में प्रणाम करते हुए आश्वस्त किया कि भाजपा सरकार देवभूमि उत्तराखंड, सनातन संस्कृति तथा धर्म परंपरा पर किसी प्रकार की आंच नहीं आने देगी। इसकी रक्षा के लिए जो कुछ भी करना होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने कहा उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता लागू की है और लव जिहाद, थूक जिहाद जैसे कुत्सित कार्यों पर कड़ी कार्रवाई की है।

चित्रकूट में डीसीएम-पिकअप की भिड़ंत में पांच की मौत, छह घायल

एजेंसी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाखरवार मोड़ के पास बैंड पार्टी को लेकर जा रहा पिकअप वाहन और डीसीएम ट्रक में सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को प्रयागराज हॉयर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की करीब दोपहर 12 बजे एक डीसीएम जो कर्वी से प्रयागराज की तरफ जा रहा था। तभी भाखरवार मोड़ के पास डीसीएम एक पिकअप वाहन से टकरा गई। यह पिकअप वाहन मऊ से कर्वी की तरफ बारात से लौट रहा था। इस घटना में रामू साहू पुत्र बाबूलाल निवासी बलहोरा और दुर्गा पुत्र बिर्जावन निवासी शिवरतन का डेरा थाना मऊ की मौके पर मौत हो गई। जबकि बच्चा पुत्र खोदू राम, कुनैन पुत्र दिलावर निवासी बलहोरा और संतराम पुत्र खुन्नीलाल निवासी सकोहा थाना मऊ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में भईयन पुत्र राजू निवासी सखोवा थाना मऊ, शांतिभान पुत्र गोपाल निवासी पहाड़ी थाना रैपुरा, इमरान पुत्र बशीर निवासी कुंडा जिला प्रतापगढ़, हीरो मालवी पुत्र हबीब अली, सादिक पुत्र नाथू निवासी देउधा थाना रैपुरा और दूधनाथ पुत्र चुन्नीलाल निवासी पहाड़ी थाना रैपुरा गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई : शराब कारोबारी विजय भाटिया गिरफ्तार

एजेंसी

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने आज र दिल्ली से शराब कारोबारी विजय भाटिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को फ्लाइट के जरिए रायपुर लाया गया, जहां आरोपित को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायालय रायपुर में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाटिया पर आरोप है कि उन्होंने विदेशी शराब उत्पादक कंपनियों और सप्लायर्स से कमीशन वसूलने की साजिश रची और इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। इस अवैध लेन-देन के जरिए सरकार को भारी मात्रा में राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि भाटिया ने न केवल खुद को बल्कि अपने सहयोगियों और अन्य फर्मों को भी अवैध आर्थिक लाभ दिलवाया। इस मामले में ईओडब्ल्यू द्वारा अपराध क्रमांक 04/2024 के तहत भारतीय दंड संहिता की धाराओं 420 (धोखाधड़ी), 467, 468, 471

(जालसाजी से संबंधित अपराध) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 12 (संशोधित अधिनियम 2018 के तहत) भी आरोप में शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद भाटिया के भिलाई और दुर्ग स्थित आवासों, फर्मों और उनसे जुड़े सहयोगियों-रिश्तेदारों यहां के कुल 8 स्थानों पर एक साथ छपेमारी की जा रही है। इस दौरान दस्तावेज़, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लेन-देन के रिकॉर्ड, फर्जी बिल और अन्य कई महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए गए हैं।विजय भाटिया ने शराब वितरण प्रणाली में अपने संपर्कों और पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की। यह धनराशि हवाला और फर्जी कंपनियों के माध्यम से इधर-उधर की गई। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारियों का कहना है कि छापों में मिली सामग्री की बारीकी से जांच की जा रही है और घोटाले में शामिल अन्य बड़े नामों का जल्द खुलासा हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि भिलाई के कारोबारी विजय भाटिया को पाटन से कांग्रेस विधायक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बेहद करीबी माना जाता है।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

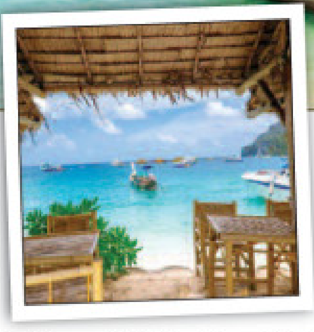

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगजीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मजा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मजा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन गुवाहाटी में खोलेंगी बॉक्सिंग अकादमी, 03 जून को होगा शुभारंभ

एजेंसी

गुवाहाटी। भारत को ओलंपिक में गौरव दिलाने वाली बॉक्सिंग स्टार लवलीना बोरगोहेन अब खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने असम की राजधानी गुवाहाटी में 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन 03 जून को होगा। इस भव्य उद्घाटन समारोह में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और स्वयं लवलीना बोरगोहेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। अपने विजन को साझा करते हुए लवलीना ने कहा, यह अकादमी केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि मेरा सपना है जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। असम के उन अनगिनत बच्चों के लिए यह एक अवसर है जो बॉक्सिंग में करियर बनाना चाहते हैं। यहां उन्हें सिर्फ मुक्केबाजी नहीं सिखाई जाएगी, बल्कि अनुशासन, आत्मबल और संघर्ष की भावना भी विकसित की जाएगी। 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' न केवल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि पूर्वोत्तर भारत के लिए खेल अवसंरचना के विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी। यह अकादमी युवा प्रतिभाओं को तराशने, उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने के लिए तैयार करने और भारत को बॉक्सिंग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

पानीपत में 4 जून से होगा छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप, देशभर की 12 टीमें लेंगी हिस्सा

पानीपत (हरियाणा)। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के तत्वावधान में छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप 4 जून से पानीपत में खेला जाएगा। दिन-रात के प्रारूप में होने वाला यह टूर्नामेंट 6 जून तक चलेगा। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में देशभर की 12 टीमें हिस्सा लेंगी।टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के अध्यक्ष कन्हैया गुर्जर ने बताया कि यह फेडरेशन कप इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) की सदस्य संस्था टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) की ओर से आयोजित किया जा रहा है। रूस और पोलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट सीरीज़ में शामिल होने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों का चयन इसी फेडरेशन कप से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहटूर्नामेंट टेनिस क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फेडरेशन कप के बारे में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के चीफ स्ट्रैटेजिस्ट चेतन्य नंदा ने कहा कि हम फेडरेशन कप में आने वाली प्रतिभाओं को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम टेनिस क्रिकेट के भविष्य में विश्वास रखते हैं और यह कप अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने और निखारने की दिशा में एक सटीक कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया दो श्रेणियों जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18 प्लस) में आयोजित की जाएगी।

करछना, मेजा और कोरांव के ट्रॉयल में उतरे 194 क्रिकेटर

प्रयागराज। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सेंट जांस अकादमी मैदान पर तीन विधानसभा क्षेत्र की टीम का ट्रॉयल पूरा हो गया। इन तीन विधानसभा के ट्रॉयल में 194 क्रिकेटरों ने भाग्य आजमाया। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने बताया कि 30 मई एवं एक जून को कोरांव विधानसभा का ट्रॉयल सेंट जांस अकादमी मैदान पर हुआ, जिसमें 44 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया लेकिन 33 ने ट्रॉयल दिया। इससे पहले इसी मैदान पर 17 व 18 मई को करछना विधान सभा के ट्रॉयल में 77 खिलाड़ी और 24 व 25 मई को मेजा के ट्रॉयल में 84 खिलाड़ी उतरे थे। मुख्य चयनकर्ता केबी काला के साथ एलबी काला, प्रदीप सिंह, राकेश मिश्र, सुशील ओझा और जाहिद अली ने गहन परीक्षण के बाद खिलाड़ियों का चयन किया। ट्रॉयल में बीके मिश्र और आशीष भारतीय ने भी सहयोग दिया। अब अगला ट्रॉयल बारा विधानसभा के लिए सात व आठ जून को खंडाला क्रिकेट ग्राउंड, रीवा रोड, जारी बाजार में होगा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को हराकर चुकता किया बदला

स्टावेंजर। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर उनसे पहली बाजी में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। भारतीय खिलाड़ी की यह नार्वे के दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल शतरंज में पहली जीत है। इस जीत से 19 वर्षीय गुकेश 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से केवल एक अंक पीछे हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी चीन के वेई यी के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत के बाद 7.5 अंकों के साथ हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास, टी20 में जारी रखेंगे करियर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। हालांकि वे टी20 फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगे और 2026 में होने वाले अगले टी20 वर्ल्ड कप तक खेलते रहने की उम्मीद है। 36 वर्षीय मैक्सवेल ने यह ऐलान 'द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट' में एक लंबे इंटरव्यू के दौरान किया। उन्होंने बताया कि 2022 में पैर टूटने के बाद वनडे क्रिकेट उनके शरीर पर भारी पड़ रहा था। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी उन्हें काफी थकान महसूस हुई। मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगने लगा था कि मैं टीम को थोड़ा पीछे खींच रहा हूं। मैंने चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की और कहा कि मैं 2027 वर्ल्ड कप तक नहीं खेल पाऊंगा। अब समय है कि मेरी जगह किसी और को तैयार किया जाए। उन्होंने आगे कहा, मैं कभी भी ऐसे नहीं खेलना चाहता था कि बस रिकॉर्ड या निजी संतोष के लिए टीम में बना रहूं। जब मुझे लगे कि मैं टीम के भविष्य का हिस्सा नहीं हूं, तब विदा लेना ही बेहतर है।

मैक्सवेल ने 149 वनडे मैचों में 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए और 77 विकेट लिए। हालांकि उनकी सबसे बड़ी खासियत थी उनका विस्फोटक अंदाज - 126.70 का स्ट्राइक रेट, जो एंड्रे रसेल के बाद ह्हद्ध इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। 2000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में यह सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 201* रन की पारी ने उन्हें अमर बना दिया। यह न केवल ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला दोहरा शतक था, बल्कि किसी भी बल्लेबाज द्वारा रन चेज़ में बनाया गया पहला दोहरा शतक भी था - और वो भी नंबर 6 पर आकर, जब ऑस्ट्रेलिया 91/7 के संकट में था। 2023 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड्स के खिलाफ मात्र 40 गेंदों में शतक - वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज़ शतक। 2015 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ 51 गेंदों में शतक - वर्ल्ड कप का चौथा सबसे तेज़ शतक। 2020 इंग्लैंड दौरा - मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 73/5 से पीछा करते हुए एलेक्स कैरी के साथ 212 रनों की साझेदारी कर मैच जिताया। 2015 वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 44 रन और दो विकेट। 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में रोहित शर्मा का अहम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। 2014 पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर में डबल विकेट मेडन कर सिर्फ दो रन डिफेंड किए। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ग्लेन वनडे इतिहास के सबसे डाइनामिक खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनका बैटिंग टैलेंट, गेंदबाज़ी में योगदान और फील्डिंग में ऊर्जा अतुलनीय रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ग्लेन की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता। कई बच्चों ने उन्हें देखकर बल्ला उठाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट उनके योगदान के लिए हमेशा आभारी रहेगा।

सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड की धाक, एकल और मिश्रित युगल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

सिंगापुर। सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष एकल में कुनलावुत विटिडसर्न ने दमदार जीत दर्ज की, जबकि देचापोल पुआवरानुकोह और सुपिस्सरा पावसंप्रान की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में खिताबी मुकाबला जीता। पुरुष एकल फाइनल में कुनलावुत ने चीन के लू गुआंगजु को महज 37 मिनट में 21-6, 21-10 से हराकर चौंकाया। यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है। इस जीत के साथ वे आगामी विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की रैंकिंग में विश्व नंबर-1 बन जाएंगे और वर्ष 2000 के बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बनेंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेंगे। इससे पहले थाईलैंड की मिश्रित युगल जोड़ी देचापोल और सुपिस्सरा ने हांगकांग की टीम टांग चुन मैन और त्से यिंग सुएत को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर खिताब जीता। दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल दिखाया और फाइनल में भी दबदबा बनाए रखा। महिला एकल में चीन की चेन युफेई ने अपने ही देश की वांग झीयी को सीधे सेटों में पराजित करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। यह सीजन का उनका चौथा खिताब है।महिला युगल में दक्षिण कोरिया की किम ह्ये-जिओंग और कोंग ही-योंग की जोड़ी ने जापान की रिन इवानागा और कीए नाकानिशी को 21-16, 21-14 से हराकर खिताब जीता। जबकि पुरुष युगल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक ने कड़े मुकाबले में कोरिया की जोड़ी किम वोन-हो और सिओ सेउंग-जे को 15-21, 21-18, 21-19 से मात दी।

थाईलैंड ओपन मुक्केबाजीः दीपक और नमन ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने 8 मेडल के साथ किया शानदार समापन

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड ओपन बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक अपने नाम किए। दीपक और नमन तंवर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया, जबकि महिला वर्ग में भी भारतीय बॉक्सर दमदार प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में योगदान देती नजर आईं।

दीपक और नमन तंवर ने दिलाया स्वर्ण

पुरुषों की 75 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक ने उज्बेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबले की शुरुआत में दीपक ने संयम से खेला, लेकिन पहले राउंड के मध्य से ही उन्होंने नियंत्रण बनाना शुरू कर दिया और अंत तक पूरी तरह हावी रहे। वहीं, 90 किलोग्राम के फाइनल में नमन तंवर ने चीन के हान शुएजेन को 4-1 से मात दी। नमन ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो राउंड में बढ़त बना ली। हालांकि तीसरे राउंड में चीनी बॉक्सर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नमन ने अपने अनुभव से मुकाबले को अपने पक्ष में रखा।

किरण को सिल्वर, पांच महिला बॉक्सर को ब्रॉन्ज

महिलाओं की 80+ किलोग्राम

कैटेगरी में किरण को कजाखस्तान की येलदाना तालिपोवा के खिलाफ 2-3 से करीबी हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

इसके अलावा भारत की पांच महिला मुक्केबाज़–तमन्ना (51 किग्रा), प्रिया (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), सनेह (70 किग्रा) और ललफकमावी राल्ते (80 किग्रा)–ने कांस्य पदक हासिल किए। 90+ किलोग्राम कैटेगरी में सेमीफाइनल जीतने के बावजूद भारतीय बॉक्सर अंशुल गिल को पदक से वंचित कर दिया गया। मुकाबले के बाद की एक हरकत पर उज्बेकिस्तान के कोच ने आपत्ति जताई और शिकायत के बाद अंशुल को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भारत का बढ़ता आत्मविश्वास, अगला लक्ष्य वर्ल्ड बॉक्सिंग कप

भारत ने इस टूर्नामेंट में 19 सदस्यीय दल उतारा था, जिसमें से कई मुक्केबाजों ने विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को टक्कर दी। इससे पहले ब्राज़ील में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत ने 1 गोल्ड सहित 6 मेडल जीते थे।

अब भारतीय टीम जून के अंत में कज़ाखस्तान में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के दूसरे चरण में भाग लेगी, जबकि फाइनल मुकाबले इस साल नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इस प्रदर्शन से भारतीय बॉक्सिंग टीम का मनोबल ऊँचा हुआ है और आने वाले टूर्नामेंट्स में देश को और भी पदकों की उम्मीद है।

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में हराकर सीरीज जीती

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जो रूट की नाबाद 166 रन की शानदार पारी की बदौलत मेज़बान टीम ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसी के साथ रूट ने न सिर्फ अपना 18वां वनडे शतक लगाया, बल्कि वनडे क्रिकेट में 7,000 रन भी पूरे कर लिए। रूट की क्लासिक पारी, इंग्लैंड ने 309 रन का लक्ष्य किया हासिल जो रूट ने 139 गेंदों पर 166 रन बनाए और टीम को संकट से निकालते हुए जीत दिलाई। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम सिर्फ 2 रन पर अपने दोनों ओपनर-जेमी स्मिथ और बेन डकेट-को खो बैठी थी। कप्तान हैरी ब्रूक (47) और फिर रूट ने पारी को संभाला। रूट ने विल जैक्स (49) के साथ 143 रन की साझेदारी की और फिर निचले क्रम के बल्लेबाज़ों के साथ मिलकर टीम को 7 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 18 साल के ओपनर ज्वेल एंड्रयू खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद ब्रैंडन किंग (59) और कीसी कार्टी (103) ने

141 रन की तेज़ साझेदारी कर पारी को संभाला। कार्टी ने चौथा वनडे शतक लगाया, हालांकि उन्हें शुरुआत में दो जीवनदान भी मिले। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद ने 63 रन देकर 4 विकेट झटके और वेस्टइंडीज की लय तोड़ी। इसी के साथ रशीद इंग्लैंड के सबसे सफल स्पिनर बन गए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 47.4 ओवर में 308 रन पर ऑलआउट हो गई। 309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने सिर्फ 2 रन पर दोनों ओपनर खो दिए। कप्तान ब्रूक और रूट ने पारी को संभालने की कोशिश की। ब्रूक 47 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रूट ने एक छोर संभाले रखा। एक समय स्कोर 6 विकेट पर 225 था, लेकिन रूट ने आदिल रशीद (10*) के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी।

रूट बने इंग्लैंड के सबसे सफल वनडे बल्लेबाज़ इस मैच में रूट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज़ का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया, उन्होंने पूर्व कप्तान ऑइन मॉर्गन को पीछे छोड़ा। तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला मंगलवार को लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

आईपीएल 2025 को मिलेगा नया चैंपियन, फाइनल में भिड़ेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) को आठ साल बाद नया चैंपियन मिलने जा रहा है। रविवार रात अहमदाबाद में हुए क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब 3 जून को फाइनल मुकाबले में पंजाब का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। खास बात यह है कि आईपीएल के इतिहास में न तो आरसीबी और न ही पंजाब कभी खिताब जीत पाई हैं। ऐसे में इस बार ट्रॉफी किसी नई टीम के नाम होगी। चौथी बार फाइनल खेलेगी आरसीबी, अब तक तीन बार रनर-अप रही है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का यह चौथा आईपीएल फाइनल होगा। इससे पहले टीम 2009,

2011 और 2016 में फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन तीनों बार हार का सामना करना पड़ा। 2009 में डेक्कन चार्जर्स, 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों उन्हें खिताब गंवाना पड़ा था।

दूसरी बार फाइनल में पहुंची पंजाब किंग्स, बदली किस्मत

पंजाब किंग्स (पूर्व नाम किंग्स इलेवन पंजाब) दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2014 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स से हार का सामना करना पड़ा था। 2011 से प्लेऑफ की शुरुआत के बाद से 2024 तक पंजाब सिर्फ एक बार ही प्लेऑफ में पहुंची थी। इस बार टीम ने लीग स्टेज में दमदार प्रदर्शन कर नंबर-1 पर रहते हुए प्लेऑफ में एंट्री ली और अब फाइनल में पहुंची है। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह आईपीएल इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है।

तिरंगा रैलीः फिट इंडिया की 25वीं कड़ी में देशभक्ति, फिटनेस और पर्यावरण का संगम

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सेनाओं को समर्पित, पर्यावरण जागरूकता और फिटनेस को प्रोत्साहित करने वाली फिट इंडिया की 25वीं कड़ी आज 'तिरंगा साइकिलिंग रैली' के रूप में देशभर में धूमधाम से आयोजित हुई। इस राष्ट्रीय आयोजन में 5000 से अधिक स्थानों से 15,000 से ज्यादा साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया और वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने लगभग 1500 साइकिलिस्टों के साथ इस रैली का नेतृत्व किया। इस अवसर पर खेल सचिव हरि रंजन राव, ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, क्रिकेटर सबा करीम, रेसलर सरिता मोर, फिल्म अभिनेत्री शरवरी और भारतीय साइकिलिंग टीम मौजूद रही। रैली का यह संस्करण हालिया ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना की वीरता को समर्पित रहा। डॉ मांडविया ने कहा, यह तिरंगा रैली हमारे जवानों के प्रति श्रद्धांजलि है। फिटनेस और देशभक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं। इस अवसर पर फिट इंडिया ऐप में कार्बन क्रेडिट ट्रैकर फीचर और मासिक फिट इंडिया न्यूजलेटर की शुरुआत की गई। अब साइकिलिंग से जुड़ी गति और दूरी के आधार पर उपयोगकर्ता अपने द्वारा बचाए गए कार्बन क्रेडिट ट्रैक कर सकेंगे। फिल्म 'मंज़िया' और 'महाराजा' में अभिनय कर चुकीं अभिनेत्री शरवरी को यंग फिट इंडिया आइकन की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, बचपन में गर्मियों की छुट्टियों में साइकिल चलाना मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक है। आज जब यह रैली हमारे सैनिकों को समर्पित है।

माउसली और होल्डन ने जड़े शतक, इंग्लैंड लायंस ने 7 विकेट पर बनाए 527 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंटरबरी टेस्ट का तीसरा दिन इंग्लैंड लायंस के बल्लेबाज़ों के नाम रहा, जब डैन माउसली (113) और मैक्स होल्डन (101) ने शतक लगाते हुए इंडिया ए की पहली पारी की बढ़त को तेजी से कम किया। इससे पहले टॉम हेन्स पहले ही 175 रन की शानदार पारी खेल चुके थे। हालांकि दिन का अंत करुण नायर की गेंद पर माउसली के एलबीडब्ल्यू आउट होने के साथ हुआ। इंग्लैंड लायंस ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 527/7 रन बना लिए हैं और अब वे इंडिया ए से सिर्फ 30 रन पीछे हैं।

होल्डन और हेन्स की दमदार शुरुआत

सुबह के सत्र में टॉम हेन्स और मैक्स होल्डन ने कुछ ओवरों तक विकेट की परख की लेकिन फिर होल्डन ने लगातार दो चौकों के साथ रनगति तेज कर दी। होल्डन पहले घंटे में अधिक आक्रामक रहे और

हर्षित राणा की गेंदबाज़ी पर खासतौर से हावी दिखे। उन्होंने महज 99 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वहीं हेन्स ने भी शार्दुल ठाकुर की गेंदों को ऑफ साइड में दो बार बाउंड्री तक पहुंचाया।

मुकेश कुमार की वापसी से इंडिया ए को राहत

मैक्स होल्डन को मुकेश कुमार ने विकेट के पीछे कैच आउट करवाकर 281 रनों की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने जेम्स रिउ को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेजा। रहान अहमद को ऊपर भेजने का फैसला भी कारगर नहीं रहा क्योंकि मुकेश ने उन्हें भी जल्दी निपटा दिया और शानदार स्पेल में तीन विकेट झटके।

माउसली की संयमित शतकीय पारी

इसके बाद डैन माउसली ने आक्रमण का संकेत हर्ष दुबे की गेंद पर छक्का जड़कर दिया। हेन्स और माउसली ने मिलकर स्कोर को 400 के पार पहुंचाया। हेन्स ने क्लासिकल बल्लेबाज़ी करते हुए 150 रन पूरे किए, लेकिन फिर शार्दुल ठाकुर ने उन्हें सरफराज के हाथों कैच करवा दिया।

अख्तर और माउसली की उपयोगी साझेदारी

छह विकेट गिरने के बाद ज़मान अख्तर ने माउसली का अच्छा साथ निभाया। अख्तर ने शुरुआत में रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की और बाद में दुबे की गेंद पर छक्का जड़ा। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेजी से रन बटोरे और 50 रन की साझेदारी पूरी की।

माउसली ने मुकेश कुमार की गेंद पर चौका मारते हुए अपना शतक पूरा किया। हालांकि दिन की अंतिम गेंद पर करुण नायर ने उन्हें आउट कर इंडिया ए को राहत दी।

राजीव शुक्ला को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, बन सकते हैं BCCI के कार्यवाहक अध्यक्ष

नई दिल्ली। रोजर बिन्नी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला क्रिकेट निकाय के कार्यवाहक अध्यक्ष बनेंगे। शुक्ला जुलाई से तीन महीने के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष बनेंगे।

सूत्रों ने कहा कि सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक के साथ वह पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पीकेएल-12 नीलामी का धमाकाः पहले दिन 10 करोड़पति खिलाड़ी, दूसरे दिन अनिल मोहन ने रचा इतिहास

एजेंसी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की दो दिवसीय प्लेयर ऑक्शन ने कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक नया इतिहास रच दिया। इस बार कुल 37.90 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई और खिलाड़ियों की कीमतों ने नई ऊंचाइयां छुईं।

नीलामी के पहले दिन 10 खिलाड़ियों ने एक करोड़ से अधिक की बोली पाकर 'करोड़पति क्लब' में जगह बनाई। सबसे महंगी बोली दो बार के चैंपियन मोहम्मदरेजा शादलू को मिली, जिन्हें गुजरात जायंट्स ने ?2.23 करोड़ में खरीदा। वहीं, पीकेएल 11 के सर्वश्रेष्ठ रेडर देवांक दलाल को बंगाल वॉरियर्ज़ ने ?2.205 करोड़ में साइन किया।

एफबीएम नीति का पहला प्रभाव

इस बार लागू हुई नई फाइनल बिड मैच (एफबीएम) नीति के तहत टीमें पांच खिलाड़ियों को दो सीजन के लिए दोबारा साइन करने में सफल रहीं। इनमें आशु मलिक (दबंग दिल्ली), दीपक सिंह (पटना पाइरेट्स), मोहम्मद आमान (पुनेरी पलटन), हरदीप और घनश्याम रोका मगर (हरियाणा स्टीलर्स) शामिल हैं।

कैटेगरी डी में धमाकाः अनिल मोहन की ऐतिहासिक बोली

दूसरे दिन सबसे बड़ी सुर्खी बने अनिल मोहन, जिन्हें कैटेगरी डी में यू मुंबा ने ?78 लाख में खरीदा। यह कैटेगरी डी की अब तक की सबसे ऊंची बोली है। हिमाचल के इस ऑलराउंडर ने अपनी नीलामी को सपना सच होने जैसा बताया।

अन्य बड़ी बोलियां और ट्रेंड

आशु मलिक को दबंग दिल्ली ने 1.90 करोड़ में, अर्जुन देशवाल को तमिल थलाइवाज़ ने 1.405 करोड़ में, नवीन कुमार को हरियाणा स्टीलर्स ने 1.20 करोड़ में खरीदा। जबकि योगेश दहिया को बेंगलुरु बुल्स ने ?1.125 करोड़ में साइन कर पीकेएल इतिहास का सबसे महंगा भारतीय डिफेंडर बना दिया।

मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा कि पीकेएल-12 की नीलामी में संतुलित बाजार देखने को मिला। करोड़पति खिलाड़ियों की संख्या हो या कैटेगरी-डी से अनिल मोहन की ऐतिहासिक बोली, हर स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता देखने को मिली है।

श्रेणीवार टॉप खिलाड़ीः-

कैटेगरी ए - टॉप 5

मोहम्मदरेज़ा शादलू - ?2.23 करोड़ - गुजरात जायंट्स

देवांक दलाल - ?2.205 करोड़ - बंगाल वॉरियर्ज़

आशु मलिक - 1.90 करोड़ - दबंग दिल्ली

आईपीएल 2025: श्रेयस अय्यर की तूफानी पारी से मुंबई को हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) को एक नया विजेता मिलने जा रहा है। दूसरे क्वालिफायर में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर 11 साल बाद फाइनल में जगह बना ली है। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 87 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए टीम को 201 से ज्यादा रन के लक्ष्य तक पहुंचाया। इसके साथ ही अय्यर तीन अलग-अलग फ्रेंचाइज़ियों को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं।

मुंबई ने रखा था 204 रनों का विशाल लक्ष्य

बारिश की वजह से थोड़ी देर से शुरू हुए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203/6 रन बनाए। सुर्यकुमार यादव (44), तिलक वर्मा (44) और नामन धीर (37) ने अहम पारियां खेलीं। मुंबई ने पावरप्ले में 65 रन बनाए, लेकिन मिडल ओवर्स में सुर्यकुमार और तिलक वर्मा ने पारी को संभाला। आखिरी पांच ओवरों में कोई छक्का नहीं लगा, फिर भी टीम ने 200 का आंकड़ा पार कर लिया।

बुमराह के खिलाफ 20 रन लेकर पंजाब ने पकड़ी लय

पंजाब की शुरुआत भी तेज रही। जोश इंग्लिस ने जसप्रीत बुमराह के एक ओवर में 20 रन ठोक दिए और पावरप्ले में टीम ने 64 रन बना लिए। मिडल ओवर्स में नेहाल वढेरा (48) और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। श्रेयस ने रीस टॉप्ली और ट्रेंट बोल्ट के ओवरों में ताबड़तोड़ रन बटोरे, जिससे मैच पंजाब के पक्ष में झुक गया।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी और बल्लेबाज़ी ने किया कमाल

अंत के ओवर्स में अय्यर ने अपना गियर बदला और चार छक्के जड़कर 19वें ओवर में ही मैच खत्म कर दिया। उन्होंने 41 गेंदों में 87 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। इस शानदार जीत के साथ पंजाब ने पहली बार 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा कर मुंबई को हराया।

क्या है आगे?

अब मंगलवार को आईपीएल 2025 का फाइनल खेला जाएगा, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और पंजाब किंग्स की टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों ने आज तक एक भी खिताब नहीं जीता है, ऐसे में इस बार लीग को एक नया विजेता मिलेगा।

कौन हैं राजस्थान की

नंदिनी गुप्ता

मिस वर्ल्ड का ताज तो नहीं पर दिल जीत ले गईं

72वें मिस वर्ल्ड का ग्रैंड फिनाले तेलंगाना के हैदराबाद के हाइटेक्स प्रदर्शनी सेंटर है. ये केवल एक ब्यूटी पेजेंट ही नहीं बल्कि उससे कहीं ज्यादा है. इस मंच पर ना सिर्फ बाहरी खूबसूरती, बल्कि इंटेलिजेंस, ग्रेस और पर्सनालिटी की सच्चाई का भी प्रदर्शन होता है. इस मंच में इस बार सबकी निगाहें नंदिनी गुप्ता पर टिकी थीं, जो मिस वर्ल्ड 2025 के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थीं. हालांकि, इस बार भारत का ये सपना, सपना ही रह गया.

72वें मिस वर्ल्ड के ग्रांड फिनाले में इस बार भारत का सपना टूट गया. देश की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रही नंदिनी गुप्ता क्राउन तक तो नहीं पहुंच पाईं, लेकिन दिल जरूर जीत ले गईं. नंदिनी ने अपनी खूबसूरत मुस्कुराहट और हाजिर जवाबी से लोगों का दिल जीत लिया. आइए आपको बताते हैं, राजस्थान की इस खूबसूरत लड़की के बारे में कुछ खास बातें.

कोटा की रहने वाली हैं नंदिनी

नंदिनी गुप्ता राजस्थान के कोटा की रहने वाली हैं. उनके पिता का नाम सुमित गुप्ता है, जो बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम रेखा गुप्ता है, जो हाउस मेकर हैं. नंदिनी ने कोटा के ही सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से अपनी स्कूलिंग पूरी की. उसके बाद उन्होंने अपने राज्य के ही लाला लाजपत राज्य कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है. नंदिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो जब 10 साल की थीं, उस समय से ही उनका सपना मिस इंडिया बनने का था. साल 2023 में उन्होंने अपने इस सपने को सच कर दिखाया था.मिस इंडिया बनने से पहले उसी साल उन्होंने मिस राजस्थान का टाइटल भी जीता था. नंदिनी गुप्ता एशिया महाद्वीप के टॉप 2 कंटेस्टेंट में अपनी जगह नहीं बनाई हैं और वो इस रेस से बाहर हो गईं हैं. मिस वर्ल्ड बनने का उनका सपना टूट गया, लेकिन उन्होंने सभी का दिल जीत लिया.

ट्रैवल करना पसंद करती हैं नंदिनी

नंदिनी के आइडल के बारे में बात करें तो वो प्रियंका चोपड़ा को अपना आइडल मानती थीं. प्रियंका ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था. नंदिनी को डांस करना, फिल्में देखना और ट्रैवल करना काफी पसंद है. जब कभी भी उन्हें उनके बिजी शेड्यूल से समय मिलता है, तो वो ये सब चीजें करना पसंद करती हैं. नंदिनी कई तरह के सोशल वर्क से भी जुड़ी हैं. वो क्राउन नहीं जीत पाईं, लेकिन अपना ये काम जारी रखेंगीं.

आप जान ही ले लो...'अंबरसरिया' गाने पर भोजपुरी एक्ट्रेस

अक्षरा सिंह

ने दिखाई अदाएं

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पिछले दिनों अमेरिका गई थीं. वहां उन्हें अप्रैसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था. इस इवेंट को अटेंड करने के अलावा अक्षरा अमेरिका में अपनी मेकअप आर्टिस्ट कशिश जैन के साथ खूब मस्ती करती भी दिखीं थीं. अक्षरा अभी भी अमेरिका में ही हैं और वहां से उनका एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर आया है.अक्षरा सिंह ने

एक वीडियो शेयर किया है जिसमें बॉलीवुड का एक सुपरहिट गाना लगाया है जिसमें वो अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं. फैंस अक्षरा सिंह की इन्हीं अदाओं पर फिदा हैं और अक्षरा के ऐसे ही वीडियो पर फैंस अपना दिल हारते हैं. इस वीडियो को भी फैंस पसंद कर रहे हैं जिसे आपको भी देखना चाहिए.

अक्षरा सिंह ने शेयर किया नया वीडियो

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'काजल लगाएं या ना लगाएं, निगाहें वैसे ही काम तमाम कर देती हैं.' अक्षरा सिंह ने इस पोस्ट के साथ आउटफिट तैयार करने वाली और पीआर की इंस्टाग्राम आईडीज को भी टैग किया है.

अक्षरा सिंह ने ये जो रील बनाई है, इसमें फिल्म फुकरे (2013) का सुपरहिट गाना 'अंबरसरिया' गाना लगाया है. अक्षरा सिंह के इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में ढेरों फैंस ने हार्ट इमोजी शेयर की है. वहीं एक फैन ने लिखा, 'आपकी जैसी सुंदर एक्ट्रेस मैंने आज तक नहीं देखी.' वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'आप इस दुनिया में सबसे ज्यादा खूबसूरत हो मैम.' वहीं एक ने कमेंट में लिखा, 'इन अदाओं से अब आप जान ही ले लो.'

अक्षरा सिंह का आने वाला रियलिटी शो

अक्षरा सिंह पिछले 10 दिनों से अमेरिका में ही हैं और यहां खूब एन्जॉय कर रही हैं. घूमना, शॉपिंग करना और खाने-पीने का वीडियो से लेकर तस्वीरें तक अक्षरा सिंह अपने पोस्ट्स में शेयर कर रही हैं. जिससे उनके फैंस को उनकी अपडेट्स मिलती रहे और अक्षरा ने अमेरिका में मिले बिहार झारखंड एसोसिएशन नॉर्थ अमेरिका से सम्मान के बारे में भी फैंस को बताया था. अगर अक्षरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो 8 जून से उनका नया रियलिटी शो 'फोक भारत' शुरू होने वाला है, जिसमें अक्षरा बतौर होस्ट नजर आएंगी.

तलाक के बाद अरबाज ने मलाइका को दी मुंह मांगी कीमत से भी ज्यादा रकम, इतने करोड़ में हुआ था समझौता

मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 51 साल की उम्र में सिंगल लाइफ जी रहीं हैं. वो कई सालों तक अर्जुन कपूर के साथ रिलेशन में रहीं, लेकिन 2024 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था. इससे पहले मलाइका ने अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी. दोनों करीब 19 साल तक साथ रहे. लेकिन इसके बाद कपल के रिश्ते का तलाक के साथ अंत हो गया था.

मलाइका अरोड़ा और अरबाज तलाक लेकर अपनी राहें साल 2017 में ही अलग कर चुके हैं. हालांकि क्या आप ये जानते हैं कि मलाइका और अरबाज के बीच तलाक का समझौता कितने करोड़ में हुआ था. मलाइका ने जो रकम मांगी थी अरबाज ने उस रकम से भी डेढ़ गुना ज्यादा की एलिमनी मलाइका को दी थी.

तलाक के बाद मलाइका को मिले इतने करोड़

मलाइका और अरबाज का रिश्ता टूटने से उनके फैंस को तगड़ा झटका लगा था. दोनों ने साल 2017 में तलाक लिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक मलाइका ने तलाक के बाद एलिमनी के रूप में 10 करोड़ रूपये की मांग की थी और वो इससे कम पर राजी नहीं होने वाली थीं. लेकिन अरबाज ने मलाइका को 15 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी दिए थे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज ने एक दूसरे को करीब पांच साल तक डेट किया था. इसके बाद एक्ट्रेस ने 6 साल बड़े अरबाज से साल 1998 में शादी रचा ली थी. फिर 2002 में दोनों ने बेटे अरहान का वेलकम किया. लेकिन बेटे के जन्म के 15 साल बाद अरबाज और मलाइका अलग हो गए थे.

अर्जुन को 6 साल तक किया डेट

अरबाज से अलग होने के बाद मलाइका की लाइफ में अभिनेता अर्जुन कपूर की एंट्री हुई. दोनों ने साल 2019 में अपने रिश्ते का ऐलान सोशल मीडिया पर किया था. अर्जुन और मलाइका एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे और सीरियस रिलेशन में थे. हालांकि करीब छह साल के बाद दोनों का अचानक ब्रेकअप हो गया था. वहीं मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज ने दूसरी बार घर बसा लिया था. उन्होंने शूरा खान से 2023 में शादी की थी. वो शादीशुदा लाइफ जी कर रहे हैं, जबकि मलाइका एक बार फिर से अपनी पर्सनल लाइफ में अकेली पड़ चुकी हैं.

वो यंग है उसे जल्द... शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर आया कंगना रनौत का रिएक्शन, बंगाल सरकार से की बड़ी अपील

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर लॉ की स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली चर्चा में हैं. उन्हें हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है. सोशल मीडिया पर अपने कमेंट्स की वजह से चर्चा में रहने वाली शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया. हालांकि इसके लिए वे पहले ही माफी मांग चुकी हैं और उन्होंने अपना वो पोस्ट डिलीट भी कर दिया है. अब इसके बाद से ही कई लोग शर्मिष्ठा का विरोध कर रहे हैं वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनके सपोर्ट में उतरे हैं. अब ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया है.

कंगना ने शर्मिष्ठा पर क्या कहा ?

कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू के दौरान शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया और कहा कि वे अभी यंग हैं और उन्हें अपनी गलती का एहसास भी है. ऐसे में उसके खिलाफ इतना सख्त रवैया अपना ज्यादा सही नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा- किसी को लॉ एंड ऑर्डर के नाम पर इतना हैरास करना सही बात नहीं है. जब किसी ने माफी मांग ली है और पोस्ट भी डिलीट कर दिया है. लेकिन इसके बाद भी उसे जेल में रखना, टॉर्चर करना, उसका करियर खत्म करना और उसके कैरेक्टर पर सवाल उठाना बहुत गलत है. ये किसी भी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए.

इसके बाद उन्होंने लिखा- मैं कोलकाता सरकार से ये दरख्वास्त करना चाहती हूं कि वे कोलकाता को नॉर्थ कोरिया ना बनाएं. सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार है. उसने अपने असभ्य बयान पर माफी मांग ली है. उसने सब कुछ ज्यों का त्यों बस कह दिया है और आज कल की जनरेशन तो आमतौर पर ऐसे ही शब्दावली का इस्तेमाल कर रही हैं. चाहें आप इंग्लिश में देख लें या फिर आप हिंदी में देख लें. उसे जल्द से जल्द छोड़ दिया जाना चाहिए क्योंकि अभी वो एक युवा लड़की है. उसके सामने अभी पूरा करियर और जीवन पड़ा है.

कौन हैं शर्मिष्ठा पनोली ?

शर्मिष्ठा की बात करें तो वे एक फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं और उनके वीडियोज खूब वायरल भी होते हैं. वे खुलकर अपनी बात रखने के लिए जानी जाती हैं. लेकिन वे अभी भाषा में अपमनाजनक शब्दों का भी इस्तेमाल करती हैं जो एक तबके के लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है और वे उनका विरोध करते भी नजर आती हैं. एकेडमिक की बात करें तो शर्मिष्ठा ने लॉ की पढ़ाई की है.